epaper.dehatsandesh.com

3 विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने LG लद्दाख से मुलाकात की

5 मलेशिया ओपन: चोट के कारण यचामागुची के हटने से सेमीफाइनल में पहुंची पीवी सिंधु

8 निजी कंटेंट निर्माताओं को प्रसार भारती देगा 90% राजस्व

मौसम जम्मू — न्यूनतम 5, अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-09 | जम्मू तवी, शनिवार 10 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

यूपी में बनेगा सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों का सामान : राजनाथ

लखनऊ, 09 जनवरी । देश की सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों से जुड़ा सामान, अब उत्तर प्रदेश में बनेगा। लखनऊ में तो ब्रह्मोस की फैक्ट्री भी लगी है, जहां ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जा रही है। अब ये मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती, हमारे अपने देश में, हमारे अपने उत्तर प्रदेश में बनती है। भारत का रक्षा क्षेत्र, अब पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ रहा है। भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर बनाया है। शुक्रवार को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ में अशोक लीलैंड के नए ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री (भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय) एचडी कुमार स्वामी और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उपस्थित रहे। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में हम लोग भारत में सिर्फ 46,000 करोड़ रुपये के हथियार और साजो-सामान बना पाते थे। आज वहीं बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक हो चुका है। 2014 के समय भारत का जो रक्षा निर्यात है, वह बहुत कम हुआ करता था। हम 1,000 करोड़ रुपये से भी कम के हथियार और साजो-सामान, दुनिया को बेच पाते थे, लेकिन आज वही बढ़कर रिकार्ड 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। रक्षामंत्री ने कहा कि इस फैक्ट्री का शुरू होना, केवल अशोक लीलेंड की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह हमारी नीतियों पर, उद्योग जगत के विश्वास की कहानी भी है। हमारी सरकार ने हमेशा जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में हमारी डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश में जो किया है, उससे लगातार उद्योग जगत का विश्वास बढ़ा है। यदि आज लखनऊ जैसे शहर में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की इतनी बड़ी फैक्ट्री की शुरुआत हो रही है, तो उसके पीछे उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था और सड़कों के जाल का बहुत बड़ा योगदान है।

राजनाथ सिंह ने बताया कि लगभग 70 एकड़ में यह संयंत्र फैला हुआ है। इस पूरी सुविधा का निर्माण 24 महीने में होना था, लेकिन आप लोगों ने इसे 18 महीनों में तैयार किया है। अब जैसे ही यहां काम शुरू हो जाएगा, उसके बाद हर महीने लगभग 2,500 इलेक्ट्रि?क वाहन यहां से बनकर निकलेंगे। इससे सबसे बड़ा लाभ, हमारी स्थानीय जनता को होने वाला है। सरकार का लक्ष्य है, कि अगले पांच साल में यहां हजारों करोड़ रुपये का नया काम आए और हमारे लाखों नौजवानों को सीधा रोजगार मिले। यानी हमारे गांव, कस्बे और शहरों के बच्चे, अब यहीं काम करेंगे, यहीं कमाएंगे और अपने परिवार को संभालेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता, विकसित उत्तर प्रदेश से होकर ही जाएगा, ऐसा मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं। आज, जब भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, तो उसमें उत्तर प्रदेश का योगदान बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है।

देश को नशा-मुक्त बनाने के लिए 31 मार्च से तीन साल तक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली, 09 जनवरी । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को घोषणा की कि 31 मार्च से अगले तीन वर्षों तक पूरे देश में नशे के विरुद्ध एक सामूहिक और सघन अभियान चलाया जाएगा, जिससे भारत को तेजी से नशा-मुक्त बनाया जा सके। अमित शाह ने यहां नार्को-समन्वय केंद्र एनकॉर्ड की 9वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने अमृतसर में मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के नए कार्यालय का उद्घाटन भी किया। बैठक का आयोजन मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो ने किया, जिसमें केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों तथा मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में नशे के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय सफलता मिली है।

गृह मंत्री ने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह नार्को-आतंकवाद से संबंधित गंभीर चुनौती है और देश की आने वाली पीढ़ियों को नष्ट करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि युवाओं का स्वास्थ्य, उनकी सोचने-समझने और कार्य करने की क्षमता तथा समाज में बढ़ता असंतोष सीधे तौर पर इस समस्या से जुड़ा हुआ है।

अमित शाह ने सभी केंद्रीय विभागों और राज्य सरकारों से वर्ष 2029 तक का स्पष्ट कार्य-योजना तैयार करने और उसके लिए समयबद्ध निगरानी व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा-मुक्त भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जब नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए कठोर कार्रवाई, मांग में कमी के लिए रणनीतिक कदम और नशे के शिकार लोगों के लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि नशा बनाने और बेचने वालों के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी, जबकि नशे की लत में फंसे लोगों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण सरकार की स्पष्ट नीति है। उन्होंने कमान, अनुपालन और जवाबदेही को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि बैठकों की संख्या नहीं, बल्कि उनके परिणाम और प्रभाव का मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ तस्करी के सरगनाओं, वित्तपोषकों और आपूर्ति मार्गों के खिलाफ सख्त कार्रवाई समीक्षा का प्रमुख बिंदु होना चाहिए। साथ ही, फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के अधिक उपयोग, समय पर आरोप-पत्र दाखिल करने और दोषसिद्धि दर बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अमित शाह ने बताया

> **" नशा बनाने और बेचने वालों के प्रति कोई नरमी नहीं बरती जाएगी**

कि वर्ष 2004 से 2013 के बीच जहां 40 हजार करोड़ रुपये मूल्य के 26 लाख किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए थे, वहीं 2014 से 2025 के बीच 1 लाख 71 हजार करोड़ रुपये मूल्य के 1 करोड़ 11 लाख किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान में भी उत्साहजनक सफलता मिली है और नष्ट किए गए मादक पदार्थों की मात्रा में 11 गुना वृद्धि हुई है। गृह मंत्री ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों से मिशन मोड में स्थायी विशेष टीमें गठित करने, खुफिया जानकारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बेहतर समन्वय से काम करने तथा जब्त नशीले पदार्थों के शीघ्र नष्टिकरण के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान किया।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में प्रमुख स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू,9 जनवरी । मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज केंद्र शासित प्रदेश में चल रही और प्रस्तावित स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उन्होंने दोहराया कि स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च सार्वजनिक सेवा प्राथमिकता बनी हुई है। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव; स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव; एसकेआईएमएस के निदेशक; एनएचएम के प्रबंध निदेशक; सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य; कश्मीर/जम्मू के स्वास्थ्य सेवा निदेशक; एचएससीसी के प्रबंध निदेशक; आर एंड बी के मुख्य अभियंता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें सरकारी मेडिकल कॉलेज, एसकेआईएमएस, डेंटल कॉलेज, स्वास्थ्य सेवाएं, एसएएससीआई परियोजनाएं और पीएम-अभिम और ईसीआरपी-II जैसी प्रमुख केंद्र प्रायोजित योजनाएं शामिल थीं। मुख्य सचिव ने परियोजना-वार व्यापक समीक्षा करते हुए भौतिक और वित्तीय प्रगति, निधियों के उपयोग और समय पर क्रियान्वयन में बाधा डालने वाले मुद्दों का जायजा लिया। उन्होंने अनुमोदन में तेजी लाने, अंतर-विभागीय अड़चनों, विशेष रूप से भूमि और उपयोगिताओं से संबंधित अड़चनों को दूर करने और समय-सीमा एवं गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए। उन्होंने इस अवसर पर इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में देरी का सीधा असर जन कल्याण पर पड़ता है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी चूक की उच्च स्तरीय गंभीरता से समीक्षा की जाएगी और संसाधनों के कुशल उपयोग के माध्यम से लागत में वृद्धि से बचने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रक्रियाओं को आसान बनाएं, अपॉइंटमेंट और स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पोस्टिंग में देरी करने वाली बाधाओं को दूर करें: सकीना इटू

जम्मू, 09 जनवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री, सकीना इटू ने आज जम्मू और कश्मीर के स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और अन्य सहायक कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए खाली पदों को समय पर भेजने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने ये बातें यहां सिविल सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहीं। इस बैठक में विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग श्रेणियों के पदों की रिक्तियों की स्थिति और जम्मू और कश्मीर में सरकारी मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग में पदों को भेजने की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा सचिव, डॉ. सैयद

आबिद रशीद शाह; सभी GMCs श्रीनगर, जम्मू, अनंतनाग, बारामूला, राजौरी, कठुआ, डोडा, उधमपुर और हंदवाड़ा) के प्रिंसिपल, SKIMS मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल, स्वास्थ्य सेवा निदेशक जम्मू/कश्मीर और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। यह बैठक मौजूदा मैनपावर की कमी का आकलन करने और सभी स्तरों पर स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, मंत्री ने अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और सहायक कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए खाली पदों को समय पर भेजने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने स्वीकृत पदों, रिक्तियों और भर्ती एजेंसियों के माध्यम से चल रही चयन प्रक्रिया की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी।

जम्मू के सीमावर्ती सेक्टर आरएस पुरा इलाके में मिला नैनो ड्रोन, जांच शुरू

जम्मू, 09 जनवरी । सुरक्षा बलों ने जम्मू जिले के सीमावर्ती इलाके में एक नैनो ड्रोन बरामद किया है। यह डिवाइस गुरुवार रात को आरएस पुरा सेक्टर के चकरोई इलाके में पड़ा मिला, जब एक स्थानीय निवासी ने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और संदिग्ध यूएवी को जांच के लिए अपने पास रख लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा अलर्ट जारी हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन कहां से आया, उसका मकसद क्या था और बॉर्डर पार इसके क्या लिंक हो सकते हैं, यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाने के लिए फोरेंसिक और टेक्निकल एनालिसिस किया जा रहा है कि इसका इस्तेमाल निगरानी या दूसरी दुश्मनी वाली एक्टिविटी के लिए किया जा रहा था या नहीं। नैनो ड्रोन बहुत छोटे और हल्के होते हैं, जिनका वज़न अक्सर 100 ग्राम से कम होता है, जिससे उन्हें आम रडार सिस्टम से पहचानना मुश्किल हो जाता है। अपने छोटे साइज़ और कम आवाज़ की वजह से ऐसे ड्रोन को सेंसिटिव बॉर्डर इलाकों में खुफिया निगरानी, टोही और संभावित पेलोड डिलीवरी के लिए सही माना जाता है।

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक

नई दिल्ली, 9 जनवरी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा।

बजट सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा चैंबर में लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से होगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी और आम बजट पेश करेंगी। हालांकि, रिजिजू ने बजट पेश करने की तारीख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। 1 फरवरी, जिसे बजट दिवस तय किया गया है, इस साल रविवार को पड़ रहा है। संसद 13 फरवरी से 9 मार्च तक अवकाश पर रहेगी।

भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने बजट सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। सत्र 28 जनवरी 2026 को शुरू होगा और 2 अप्रैल 2026 तक चलेगा, रिजिजू ने X पर एक पोस्ट में कहा।

पहला चरण 13 फरवरी 2026 को समाप्त होगा, और संसद 9 मार्च 2026 को फिर से शुरू होगी, जो सार्थक बहस और जन-केंद्रित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, रिजिजू ने कहा।

कश्मीर ऊपरी गुलमर्ग के पास नाले में गिरने के बाद सेना के दोनों पोर्टर मृत पाए गए

बारामूला, 09 जनवरी। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के ऊपरी गुलमर्ग इलाके में एक अग्रिम चौकी की ओर जाते समय फिसलकर नाले में गिरे सेना के दोनों पोर्टर मृत पाए गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि घटना गुरुवार शाम को हुई जब दोनों कुली अनीता पोस्ट की ओर जा रहे थे जो क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण शीतकालीन कट ऑफ पोस्ट थी। बताया जाता है कि बर्फीले और फिसलन भरे इलाके से गुजरते समय कुलियों का संतुलन बिगड़ गया और वे एक नाले में गिर गए घटना के बाद, बचाव टीमों को तुरंत सेवा में लगाया गया और बेहद कठोर मौसम की स्थिति, गहरी बर्फ और कठिन इलाके के बावजूद एक खोज अभियान शुरू किया गया। लगातार प्रयास के बाद दोनों कुलियों के शव बरामद कर लिये गये।

सीईओ ने सौंपे गए कामों को समय पर पूरा करने पर ज़ोर दिया

जम्मू तवी, 9 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी, संजीव वर्मा ने आज 25 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सूचना निदेशक जम्मू-कश्मीर नीतीश राजोरा, विशेष सचिव डॉ. नरूपा राय, विशेष सचिव संदेश कुमार गुप्ता, एडीसी जम्मू विधु शेखर के अलावा JKAACL, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा, जम्मू विश्वविद्यालय, ऑल इंडिया रेडियो, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और मुस्कान फाउंडेशन और जिगर फाउंडेशन के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक के दौरान कई बिंदुओं पर

चर्चा की गई, जिनमें NVD रन, छात्रों की भागीदारी, परिवहन, राष्ट्रगान, तय जगहों पर बैनर लगाना, SVEEP वैन के माध्यम से जागरूकता, NVD शपथ और संबंधित गतिविधियां शामिल थीं। बैठक में यह भी बताया गया कि कार्यक्रम का रिहर्सल 16 जनवरी को केएल सहगल हॉल में होगा। जम्मू विश्वविद्यालय के अधिकारियों को 24 जनवरी को NVD रन आयोजित करने के साथ-साथ खेल कार्यक्रम और रेडियो टॉक, चर्चाएं आयोजित करने का निर्देश दिया गया ताकि आम जनता, खासकर छात्रों को चुनाव/मतदान प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जा सके। कॉलेज निदेशक से कार्यक्रम की शुरुआत और समापन पर लाइव राष्ट्रगान तैयार करने के लिए कहा गया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शोपियां स्थित एक आवासीय मकान से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किए

जम्मू, 09 जनवरी । शोपियां स्थित जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई के तहत बरबुघ इमामसाहिब स्थित एक आवासीय मकान से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार किया।

विशिष्ट सूचना के आधार पर इमामसाहिब पुलिस स्टेशन ने एनडीपीएस अधिनियम की एफआईआर संख्या 02 2026 के तहत मामला दर्ज किया और सक्षम प्राधिकारी से तलाशी वारंट प्राप्त किया।

इमामसाहिब पुलिस स्टेशन की एक टीम ने बरबुघ के तहसीलदार के साथ बरबुघ निवासी मुश्ताक अहमद खंडे के आवासीय परिसर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान, आवासीय मकान से 20.720 किलोग्राम गांजा और 130 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस समाज से मादक पदार्थों के खतरे को जड़ से खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और जनता से सहयोग की अपील करती है।

श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज को बंद करना पूर्व नियोजित प्रतीत : महबूबा

श्रीनगर, 09 जनवरी । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज को बंद करना पूर्व नियोजित प्रतीत होता है उन्होंने चेतावनी दी कि इस फैसले ने एक खतरनाक मिसाल कायम की है और इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की मान्यता रद्द करने के आसपास के घटनाओं के क्रम ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि एक शाम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कॉलेज बंद कर देना चाहिए और अगले ही दिन इसे बंद कर दिया गया। यह संयोग नहीं लगता। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयां भय और अनिश्चितता पैदा करती हैं। उन्होंने आगाह किया कि इस कदम से देश में अन्यत्र चरमपंथी तत्वों को बढ़ावा मिल सकता है। महबूबा ने को कहा कि कल कुछ

दक्षिणपंथी संगठन भारत के किसी भी हिस्से में विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं और कश्मीर से मुस्लिम छात्रों को निकालने की मांग कर सकते हैं उन्होंने कहा कि यह एक पैटर्न बन जाएगा। जम्मू-कश्मीर को एक प्रयोग के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है और जो कुछ भी यहां आजमाया जाता है उसे बाद में देश के अन्य हिस्सों में दोहराया जाता है।

सिंधु जल संधि से J&K को बहुत नुकसान हुआ : उमर

अमृतसर, 9 जनवरी। सिंधु जल संधि के निलंबन का स्वागत करते हुए, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि इस समझौते से क्षेत्र को लंबे समय तक नुकसान हुआ है और पानी के संसाधनों के सही इस्तेमाल को सीमित कर दिया है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, ष्टरू उमर ने कहा कि उन्होंने शुरू से ही IWT का विरोध किया था। सिंधु जल संधि ने हमें बहुत नुकसान पहुंचाया है। यह अच्छा हुआ कि इसे निलंबित कर दिया गया है। अब ऐसे कदम उठाए जाने चाहिए ताकि हम उस पानी का इस्तेमाल अपने लिए कर सकें, उन्होंने कहा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था, जिसमें 26 लोग, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे, मारे गए थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि J&K सरकार ने नदियों के पानी का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए केंद्र को पहले ही दो बड़े प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया है। इनमें से एक तुलबुल नेविगेशन बैराज है, जिसे झेलम नेविगेशन बैराज के नाम से भी जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट से वुलर झील में पानी का स्तर बढ़ेगा, जिससे झेलम में पानी का बहाव बेहतर होगा। इससे बिजली उत्पादन बढ़ेगा और नदी में नाव चलाना भी संभव होगा, उन्होंने कहा। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू के लिए चिनाब नदी के पानी का इस्तेमाल करने से अगले 30 सालों तक क्षेत्र में पानी की कमी खत्म हो जाएगी। "IWT के निलंबन से हमें अपनी नदियों से गाद निकालने की भी अनुमति मिलेगी, जो पहले संभव नहीं था, उन्होंने कहा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू और कश्मीर ने इस संधि के तहत भारी कीमत चुकाई है, जबकि पंजाब को अपने क्षेत्र से बहने वाली नदियों पर अधिकार मिला।

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑर्ब्जवेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है।नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं।

सामान्यत: पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।

लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।

हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है। ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।

लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत: कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।

खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।

लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथ न्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने LG लद्दाख से मुलाकात की

लेह, 8 दिसंबर। विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों ने आज लेफ्टिनेंट गवर्नर सचिवालय में लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री कविंदर गुप्ता से मुलाकात की और औद्योगिक पहलों, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक संरक्षण, सामाजिक कल्याण और आर्थिक अवसरों पर चर्चा की।

कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के एक प्रतिनिधिमंडल ने लेफ्टिनेंट गवर्नर से मुलाकात की और अपनी मांगें रखीं।

मुध गांव के निवासियों ने भी अपनी समस्याओं को उजागर किया।

इसी तरह, परम पावन पाल्गा रिनपोछे ने लेफ्टिनेंट गवर्नर को चोक्योंग पाल्गा चैरिटेबल इंस्टीट्यूट लद्दाख के बारे में बताया, जो 2001-02 में लगभग 300 सदस्यों के साथ रजिस्टर्ड है, चल रहे नलजोरलिंग मठ के निर्माण और वृद्धाश्रम/अनाथालय की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें सही रास्ते पर मार्गदर्शन करने के अपने विजन को साझा किया। वॉयस ऑफ बुद्धिस्ट लद्दाख के प्रतिनिधियों ने लेफ्टिनेंट गवर्नर से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया ताकि गृह मंत्रालय को लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए तत्काल जरूरतों के बारे में बताया जा सके। माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर ने अ प्रशासन का ध्यान स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका पर केंद्रित होने पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लद्दाख को एक प्रमुख फिल्म निर्माण स्थल के रूप में बढ़ावा दिया, और शूटिंग के लिए फिल्म निर्माताओं के साथ बैठकें करने का वादा किया। उन्होंने कहा, प्रशासन लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, और संस्कृति मंत्रालय को एक औपचारिक आवेदन के माध्यम से बुद्ध के अवशेषों को लद्दाख लाने की योजनाओं के बारे में बताया।

रणविजय सिंह ने मंतलाई, सुधमहादेव, सगुन मंदिरों का दौरा किया; सुविधाओं की समीक्षा की

जम्मू, 9 जनवरी। जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी रणविजय सिंह ने आज पूजनीय मंतलाई और सुधमहादेव मंदिरों का दौरा किया और दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाओं और सुविधाओं की समीक्षा की।

श्री रणविजय सिंह के साथ जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. पी.एस. पठानिया और ट्रस्ट के परिषद सदस्य विशाल अब्रोल के अलावा ट्रस्ट के अन्य अधिकारी भी थे।

दौरे के दौरान, ट्रस्टी ने दोनों पवित्र तीर्थस्थलों पर मत्था टेका और तीर्थयात्रियों को दी जा रही समग्र रखरखाव, साफ-सफाई, पीने के पानी, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर के कर्मचारियों और स्थानीय प्रबंधन समितियों के साथ बातचीत की और सुविधाओं में और सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए, खासकर आने वाले धार्मिक अवसरों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए।

सुधमहादेव में, ट्रस्टी ने प्राचीन तीर्थस्थल की पवित्रता और ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। उन्होंने दोहराया कि धर्मार्थ ट्रस्ट अपनी देखरेख में सभी मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के रखरखाव, विकास और कुशल प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले, ट्रस्टी ने कल रामनगर मंदिर, ऐतिहासिक रामनगर किले और किला का दौरा किया था, जहाँ उन्होंने ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित धार्मिक और विरासत संपत्तियों की स्थिति की समीक्षा की और उनके संरक्षण और प्रचार के उपायों पर चर्चा की।

कठुआ एडमिन कप-डीआईसी 11 ने सीएमओ 11 को 6 विकेट से हराया

कठुआ 09 जनवरी (हि.स.)। जीडीसी कठुआ क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे कठुआ एडमिन कप में एक और रोमांचक लीग मुकाबला देखने को मिला, जहां डीआईसी 11 ने सीएमओ 11 को 6 विकेट से हरा दिया।

टॉस जीतकर डीआईसी 11 ने पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना, जिसका फायदा उन्हें शुरुआत में ही मिल गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएमओ 11 ने अपने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 141 रन बनाए। करुण भारती और अमित सिंह ने 35-35 रन बनाकर पारी को संभाला और टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। डीआईसी 11 के लिए, अमित शर्मा और गगन की अगुवाई में गेंदबाजी आक्रमण प्रभावी साबित हुआ क्योंकि उन्होंने नियमित अंतराल पर महत्वपूर्ण विकेट लेकर रन रेट को नियंत्रण में रखा। जवाब में डीआईसी ने आसानी से लक्ष्य का पीछा करते हुए 16.3 ओवर में 142 रन बनाकर चार विकेट खो दिए। अमित सिंह (30 रन) और परमिंदर (36 रन) ने संयमित पारियां खेलीं और अटूट साझेदारी करते हुए टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। सीएमओ 11 के शरवन और अमित सिंह की अनुशासित गेंदबाजी के बावजूद, लक्ष्य अपर्याप्त साबित हुआ। अमित सिंह के बल्ले और गेंद दोनों से किए गए शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

कश्मीर पुलिस कंट्रोल रूम में आईजीपी कश्मीर ने 2024 बैच के प्रोबेशनरी डीएसपी के साथ बातचीत की

कश्मीर, 09 जनवरी (हि.स.)। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक के बर्डी आईपीएस ने कश्मीर जोन के विभिन्न जिलों में व्यावहारिक प्रशिक्षण ले रहे 2024 बैच के 29 प्रोबेशनरी डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के साथ बातचीत की। यह कार्यक्रम कश्मीर पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित किया गया था और इसमें डीआईजी सेंट्रल कश्मीर रेंज एसएसपी पीसीआर कश्मीर आईजीपी कश्मीर के एसओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शुरुआत में आईजीपी ने प्रोबेशनर्स का स्वागत किया और उन्हें पुलिस सेवा में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने जोर दिया कि सत्यनिष्ठा निष्पक्षता तटस्थता जवाबदेही और अनुशासन सभी पुलिस कार्यों का मार्गदर्शक होना चाहिए। श्री वी के बर्डी ने ऑपरेशन। जांच कानून व्यवस्था और प्रशासनिक पर्यवेक्षण में डीएसपी की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला और सेवा के शुरुआती वर्षों के दौरान सही निर्णय लेने नेतृत्व और सीखने पर बल दिया।

उन्होंने पेशेवर गहन और परिणामोन्मुखी जांच के महत्व पर जोर दिया जिसमें यूएपीए जैसे विशेष कानूनों के तहत प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का पालन करना शामिल है।

गांदरबल में दुनिया भर में मशहूर शल्लाबुघ वेटलैंड में एक बार फिर लगभग 2.5 लाख माइग्रेटरी पक्षी आए

गांदरबल, 09 जनवरी (हि.स.)। गांदरबल जिले में दुनिया भर में मशहूर शल्लाबुघ वेटलैंड में एक बार फिर लगभग 2.5 लाख माइग्रेटरी पक्षी आए हैं जिससे कश्मीर घाटी में सर्दियों के माइग्रेशन सीजन की शुरुआत हो गई है।

ब्लॉक फ़ॉरेस्ट ऑफिसर ऐजाज अहमद ने कहा कि लगभग 2.5 लाख माइग्रेटरी पक्षी पहले ही वेटलैंड पहुंच चुके हैं। इनमें मैलार्ड ग्रे, लेग गूज, कूट पिंटेल, पर्पल स्वैम्प, हेन मूरहेन, पोचार्ड शॉवेलर, साइबेरियन गीज, साइबेरियन बत्तखें और कई दूसरी दुर्लभ माइग्रेटरी पक्षी प्रजातियां शामिल हैं जो सर्दियों के महीने कश्मीर में बिताने के लिए ठंडे इलाकों से हज़ारों किलोमीटर का सफर करती हैं। लगभग 34000 कनाल में फैला और यह प्रदेश का सबसे बड़ा वेटलैंड है। शल्लाबुघ वेटलैंड सर्दियों के दौरान एक नेचुरल सैंक्चुअरी में बदल जाता है। इसकी रिच बायोडायवर्सिटी भरपूर खाना अवेलेबिलिटी और अच्छे क्लाइमेट कंडीशन इसे जम्मू और कश्मीर में माइग्रेटरी वॉटरफाउल के लिए सर्दियों में रहने की सबसे पसंदीदा जगहों में से एक बनाते हैं। इन पक्षियों का हर साल आना शालबुघ वेटलैंड के इकोलॉजिकल महत्व को दिखाता है और इस इलाके के सबसे जरूरी और मशहूर वेटलैंड में से एक के तौर पर इसके स्टेटस को पक्का करता है।

पुलिस ने ऑपरेशन कामधेनु के तहत मवेशी तस्करी के दो प्रयासों को विफल किया

जम्मू, 09 जनवरी (हि.स.)। जम्मू में ऑपरेशन कामधेनु के तहत मवेशी तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए झज्जर कोटली पुलिस ने मवेशी तस्करी के दो अलग-अलग प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। 8 जनवरी 2026 की दरमियानी रात को झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने 8 मवेशियों को रोका और बचाया तथा दो वाहन जब्त किए जिनका नाम महिंद्रा लोड कैरियर पंजीकरण संख्या जेके19ऐ-3092 और जेके19ऐ-5734 है और जिनका इस्तेमाल मवेशियों के अवैध परिवहन के लिए किया जा रहा था। जब्त किए गए वाहनों के चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी पहचान मोहम्मद अशरफ भट पुत्र मोहम्मद जमाल भट निवासी मघम तहसील कोकरनाग जिला अनंतनाग और जावेद अहमद कसाना पुत्र अब्दुल कयूम निवासी काजीगुंड बकरवाल चक तहसील दुरू जिला अनंतनाग के रूप में हुई। दोनों को मवेशियों के अवैध परिवहन में संलिप्तता के आरोप में हिरासत में लिया गया है।

शोपियां में एक आवासीय घर से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद, आरोपी गिरफ्तार

शोपियां, 09 जनवरी (हि.स.)। शोपियां स्थित जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई के तहत बरबुघ स्थित इमामसाहिब के एक आवासीय घर से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया और आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि विशिष्ट सूचना के आधार पर इमामसाहिब पुलिस स्टेशन ने एनडीपीएस अधिनियम की एफआईआर संख्या 02/2026 के तहत मामला दर्ज किया और सक्षम प्राधिकारी से तलाशी वारंट प्राप्त किया। इमामसाहिब पुलिस स्टेशन की एक टीम ने बरबुघ के तहसीलदार के साथ बरबुघ निवासी मुश्ताक अहमद खंडे के आवास पर छापा मारा।

तलाशी के दौरान आवास से 20.720 किलोग्राम गांजा और 130 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया।

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस समाज से मादक पदार्थों के खतरे को जड़ से खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और जनता से सहयोग की अपील करती है। मादक पदार्थों के दुरुपयोग/तस्करी से संबंधित जानकारी हेल्पलाइन 9596768831 (पीसीआर शोपियां) पर साझा की जा सकती है। बयान में कहा गया है कि मुखबिरों की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

साल के आखिर की समीक्षा 2025 - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की उपलब्धियां और पहल

पीआईबी, दिल्ली, 09 जनवरी । खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र खेती से होने वाली आय बढ़ाने और खेती से अलग नौकरियां पैदा करने, संरक्षण और प्रसंस्करण इंफास्ट्रक्चर में खेती के अंदर और बाहर निवेश के ज़रिए कृषि और संबंधित क्षेत्र के उत्पादन में फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी के अनुसार, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने देश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं और 2025 के साल में अपनी योजनाओं में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

पिछले साल की कुछ खास उपलब्धियां इस प्रकार हैं

कृषि-खाद्य निर्यात में प्रोसेस्ड खाद्य निर्यात की हिस्सेदारी 2014-15 में 13.7% से बढ़कर 2024-25 में 20.4% हो गई है।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण , 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र संगठित विनिर्माण क्षेत्र में सबसे बड़े रोज़गार देने वालों में से एक है, जिसमें कुल रजिस्टर्ड/संगठित क्षेत्र में 12.83ब रोज़गार है।

जनवरी 2025 से, PMFME योजना के क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी घटक के तहत कुल 56,542 लोन मंजूर किए गए हैं।

पिछले साल की अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां इस प्रकार हैं

मंत्रालय के बजट के माध्यम से क्षेत्रीय सहायता में वृद्धि-

भारत सरकार ने 2026-27 में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए मंत्रालय को 4064 करोड़ रुपये का बजट अनुमान आवंटित किया है, जो 2025-26 में 3571.57 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से लगभग 13.79ब की वृद्धि है। सेक्टोरल उपलब्धियों में क्वांटम जंप-

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में ग्रॉस वैल्यू एडेड 2014-15 में 1.34 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 2.24 लाख करोड़ रुपये हो गया है (पहले संशोधित अनुमानों के अनुसार)।

इस क्षेत्र ने अप्रैल 2014- मार्च 2025 के दौरान 7.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर का FDI इक्विटी प्रवाह आकर्षित किया है।

कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात की हिस्सेदारी 2014-15 में 13.7% से बढ़कर 2024-25 में 20.4% हो गई है।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण , 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र संगठित विनिर्माण क्षेत्र में सबसे बड़े रोजगार प्रदाताओं में से एक है, जिसमें कुल पंजीकृत/संगठित क्षेत्र में 12.83% रोजगार है।

योजनाओं के तहत उपलब्धियां-

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना

PMKSY को 14वें FC चक्र के लिए 2016-20 की अवधि के लिए 6,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ अनुमोदित किया गया था (जिसे 2020-21 तक बढ़ाया गया) और 15वें FC चक्र के दौरान 6520 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ पुनर्गठन के बाद जारी रखने के लिए अनुमोदित किया गया है।

जनवरी 2025 से, PMKSY की विभिन्न घटक योजनाओं के तहत 36 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है और 94 परियोजनाएं पूरी/संचालित की गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप 28.48 लाख मीट्रिक टन की प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता प्राप्त हुई है। अनुमोदित परियोजनाओं से, उनके संचालन पर, 365.21 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 1.4 लाख किसानों को लाभ होगा और 0.09 लाख से अधिक प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

कुल मिलाकर, अब तक, PMKSY की विभिन्न घटक योजनाओं के तहत, उनके संबंधित लॉन्च की तारीखों से, 1618 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है।

इनमें से 1185 परियोजनाएं चालू हो गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप 270.51 लाख मीट्रिक टन की प्रसंस्करण और संरक्षण क्षमता प्राप्त हुई है। मंजूर किए गए प्रोजेक्ट्स के चालू होने पर, उनसे 21917 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 51 लाख किसानों को फ़ायदा होगा और 7.22 लाख से ज़्यादा डायरेक्ट/इनडायरेक्ट रोज़गार पैदा होने की उम्मीद है।

शिवसेना का 'जम्मू को बचाने रोहिंग्याओं को भगाने' का आवाहन

जम्मू, 09 जनवरी हि.स. शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई ने बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुक्त जम्मू-कश्मीर बनाने के अभियान का दायरा बढ़ाते हुए आज जम्मू के बाडी-ब्राह्मणा इलाके में मै भारतीय-मेरा भारत अभियान को जारी रखा।

पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मनीश साहनी व कामगार विंग प्रमुख राज सिंह के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक दल? ने जम्मू को बचाना है - रोहिंग्याओं को भगाना है प्लेकार्ड पकड आज बाड़ी-ब्राह्मणा रेलवे स्टेशन के करीब लगी रेहड़ी-फड़ी वालों में संदिग्धों की पहचान को लेकर जागरूक करते हुए मै भारतीय-मेरा भारत महान के स्टीकर थमाए।साहनी ने कहा कि ऐसी जानकारियों मिल रही थी कि इलाके में रोहिंग्या व बांग्लादेशी अवैध रूप से रेहड़ी-फडी लगा रहे हैं।

उक्त जानकारी की पुष्टि तब हुई जब शिव सैनिकों की भनक लगते ही कुछ संदिग्ध अपना सामान लावारिस छोड वहा से फरार हो गए। गुस्साए शिव सैनिकों ने लावारिस पडे सामान को आग के हवाले कर दिया।

DC ने उधमपुर में देविका प्रीमियर लीग के पहले एडिशन का उद्घाटन किया

उधमपुर, 09 जनवरी। डिप्टी कमिश्नर उधमपुर सलोनी राय ने आज देविका प्रीमियर लीग के पहले एडिशन का उद्घाटन किया। इस इवेंट ने जिले के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया, जिसमें प्लेयर ऑक्शन सिस्टम शुरू किया गया। इसमें टीम मालिकों ने कॉम्पिटिटिव बोली प्रक्रिया के ज़रिए खिलाड़ियों को चुना, जिससे टूर्नामेंट को एक प्रोफेशनल लीग फॉर्मेट मिला। लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा हिस्सा लेने और भरपूर कॉम्पिटिशन का अनुभव मिलेगा।उद्घाटन समारोह में डिस्ट्रिक्ट यूथ सर्विसेज एंड स्पोर्ट्स ऑफिसर के साथ आयोजक, टीम मालिक, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद थे। डिप्टी कमिश्नर ने आयोजकों, टीम मालिकों, स्पॉन्सर और सभी स्टेकहोल्डर्स को जिला स्तर पर इतनी प्रोफेशनल तरीके से संरचित क्रिकेट लीग की कल्पना करने और सफलतापूर्वक लॉन्च करने के लिए बधाई दी। उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं को एक अच्छी तरह से व्यवस्थित मंच प्रदान करने, खेल भावना, अनुशासन और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए इस

पहल की सराहना की। देविका प्रीमियर लीग को जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट जिला-स्तरीय खेलों को राष्ट्रीय मानकों के साथ जोड़ता है।

सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधि के बाद तलाशी अभियान शुरू

जम्मू, 09 जनवरी (हि.स.)। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधि के बाद तलाशी अभियान शुरू किया। स्थानीय लोगों ने कटली इलाके में हथियार के साथ एक संदिग्ध दिखने वाले व्यक्ति की सूचना दी थी, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

विशेष अभियान समूह (एसओजी), पुलिस और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने शहर के बाहरी इलाके सिधरा के वन क्षेत्रों में तलाशी एवं तलाशी अभियान भी चलाया। भारतीय सेना और पुलिस ने जम्मू के मीरा साहिब सीमा क्षेत्र में संयुक्त चेकिंग अभियान भी चलायाद्य ऑपरेशन पूरी रात जारी रहा, सुरक्षाकर्मी इलाके से गुजरने वाले हर वाहन की जांच कर रहे थे। ये उपाय शांतिपूर्ण गणतंत्र दिवस समारोह सुनिश्चित करने के लिए समग्र सुरक्षा तैयारियों का हिस्सा हैं।

थाना दिवस पर स्थानीय लोगों ने नशा तस्करी, पशु तस्करी, यातायात प्रबंधन जैसे मुद्दे उठाए

कठुआ 09 जनवरी (हि.स.)। पुलिस-जनता संबंधों को मजबूत करने और लोगों की शिकायतों का समय पर निवारण सुनिश्चित करने की पहल के तहत चल रहे जनसंपर्क कार्यक्रम थाना दिवस के अंतर्गत कठुआ पुलिस द्वारा घाटी, हटली, पुलिस स्टेशन बसोहली, मढ़हीन और मल्हार क्षेत्र सहित कई स्थानों पर थाना दिवस का आयोजन किया गया।

कठुआ जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों की अध्यक्षता की गई। संबंधित क्षेत्रों के प्रमुख नागरिक समाज सदस्यों, पीआरआई और सम्मानित नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और पुलिस अधिकारियों से बातचीत की। कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न स्थानीय मुद्दों और जन महत्व के मामलों पर प्रकाश डाला, जैसे किरायेदार सत्यापन, घाट्टी स्थित औद्योगिक मार्ग पर आधिकारिक बैरिकेडिंग की अनुपलब्धता, मादक पदार्थों की तस्करी, सीसीटीवी कैमरे लगाना, यातायात प्रबंधन, कानून व्यवस्था बनाए रखना आदि। इसी बीच स्थानीय लोगों को मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य के बारे में भी जागरूक किया गया। उनसे अनुरोध किया गया कि किसी भी अज्ञात या संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि को देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें और सूचना को समय पर साझा करना सुनिश्चित करें। मलहार में प्रतिभागियों द्वारा एम्बुलेंस सेवाओं की उपलब्धता, बिजली आपूर्ति में रुकावट और सड़क संबंधी समस्याओं जैसे कुछ स्थानीय मुद्दे भी उठाए गए। अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि पुलिसिंग से संबंधित वास्तविक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाएगा जबकि नागरिक प्रशासन से संबंधित मुद्दों को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ उठाया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने दोहराया कि जनविश्वास बढ़ाने के लिए सामुदायिक पुलिसिंग आवश्यक है जिससे अपराध और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई मजबूत होती है। मादक पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या पर विशेष जोर दिया गया और समाज से इस खतरे को जड़ से खत्म करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान किया गया। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस ने बताया कि जिला पुलिस कठुआ जनता के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करने, पुलिसिंग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने और जिले को अपराध और सामाजिक बुराइयों से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD(R&B) DIVISION SAMBA

ABBREVIATED SHORT TERM NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No. 69 of 2025-26 Dated: 03-01-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works

S. No	Name of Work	Advertised Cost (Rs. in lacs)	Cost of document (in Rs.)	Earnest Money (in shape of CDR/FDR) (In Rs.)	Time Allowed for complete-on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Providing of Crate work along Basanter River outside Jawahar Navodya Vidayala Campus, Nud (under Capex Budget out of BE 2025-26 for Flood Relief Measures).	10.44	600/-	2 % of adv. Cost	03 months	15-01-2025 (1400 Hours)	A,B,C& D
2	Construction of Toilets at Receiving Station Ghagwal in respect of Sub Transmission Division, Kathua under UT Capex Budget 2025-26.	2.50	600/-	2 % of adv. Cost	01 month	15-01-2025 (1400 Hours)	A,B,C& D
3	Construction of Toilets at Receiving Station Nichla in respect of Sub Transmission Division, Kathua under UT Capex Budget 2025-26.	2.50	600/-	2 % of adv. Cost	01 month	15-01-2025 (1400 Hours)	A,B,C& D

Position of AAA:Accorded
Position of T.S: Sanctioned
Major Head:
1/ Date of Publishing (online) = 05-01-2026
2/ Pre bid meeting = 07-01-2026 at 1300 Hrs
3/ Date of downloading = 05-01-2026 to 14-01-2026 upto 1800 hours
4/ Date of submission / Uploading = 05-01-2026 to 14-01-2026 upto 1800 hours
5/ Date of opening of bids = 15-01-2026 at 1400 hours.
The tender is available at website http://jktenders.gov.in all other terms & conditions can be seen on the above website.
No.
Dt. 03-01-2026

DIP/J-9969/25
Dtd: 9-1-2026

Sd/
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Samba

संपादकीय

अधर्म के विरुद्ध कार्रवाई

इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि जिन सड़कों पर मिनी-बसें सार्वजनिक रूप से चलती हैं, वहां सबसे अधिक दर्जे और रिकॉर्ड दरवाज़े देखने को मिलते हैं, क्योंकि इन टुकड़ों के ढांचे में पूरे इलाके में अवशेषों की पूरी तरह से पहचान नहीं की जाती है।

हालांकि इन मिनी-बसों के बीच के नियमों को तोड़ने के मामले आम हैं, लेकिन खबरों के मुताबिक, पुलिस स्टेशन झज्जर कोटली ने एक ओवरलोडेड मिनीबस के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज करके सही कदम उठाया है, जिससे डांसल बाजार में लोकप्रियता और लोकप्रियता से लोकप्रियता मिली है, जिससे एक बिजनेस स्कूल की स्थापना हुई है। उक्त मिनीबस मनवाल से डोम जा रही थी और यात्रियों को बहुत खतरनाक तरीके से ले जा रही थी, जिसमें कथित तौर पर कई लोग गाड़ी की छत पर बैठे थे। इस दावे में कहा गया है कि न सिर्फ निजीकरण का उल्लंघन किया गया, बल्कि यात्रियों और सड़क का इस्तेमाल करने वाले दूसरे लोगों की जान को भी खतरे में डाल दिया गया।

जम्मू-कश्मीर में लगभग रोजाना में बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, इसलिए ऐसी हरकतों पर रोक लगाने में समय लगता है और झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन द्वारा पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है। यह एक खुला रहस्य है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक रूप से डिज़ाइन किए गए उपकरण बिना किसी डर के किसी भी दल के सदस्यों का उल्लंघन करते हैं और कई मामलों में यह असामान्य रूप से पीछे की ओर बना होता है, क्योंकि अधिकारी इस मामले में ढिलाई बरतते हैं, जिससे ओवरलोडिंग, ओवर स्कीइंग और खतरनाक ड्राइविंग जैसे सामान्य सहयोगियों को बढ़ावा मिलता है।

झज्जर कोटली पुलिस स्टेशन के इस खास मामले में जगाई और उच्च अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की गई है कि जम्मू और कश्मीर के द्वीपों पर किसी भी समुदाय के सदस्यों का उल्लंघन न किया जाए, विशेष रूप से सार्वजनिक टीम, दस्तावेजी सामग्री वाले यात्रियों को केंद्र प्रदेश में अलग-अलग जगह पर सुरक्षित रखा जाए।

उक्त मामले में और इससे जुड़े- सामान्य सभी मामलों में, पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों को बिना किसी नारी के कानून का सामना करना पड़े, क्योंकि यह सामान्य लोगों की जिंदगी का मामला है। इस मामले में सीमेंट पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि वह विशेष रूप से सेक-ऑफ़-पर-बोर्ड के लिए आवश्यक सामान रखती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी समय यात्रा करते समय सुरक्षा को न तोड़े और न ही अपने या मित्र यात्रियों की जान को खतरे में डाले। जम्मू-कश्मीर में आई रिपोर्ट में कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों के पास गाड़ी चलाने वाले लोगों की सोच में बदलाव लाने में बहुत कम समय लगता है। इसलिए सीमेंट पुलिस और शेयरों के लिए सप्ताहांत और समुद्री भोजन को सुरक्षित और सुरक्षित बनाने के लिए लगन से काम करना पता चलता है।

वैश्विक मंच पर हिंदी

वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण, वैश्विकरण और औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और इसी तर्ज पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय उत्पाद बेचने, व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है।

–डॉ. अशोक कुमार भार्गव

भारत की सांस्कृतिक चेतना की समृद्ध विरासत हिंदी न केवल हमारी अस्मिता की पहचान है वरन हमारे राष्ट्र की आत्मा भी है। अब हिंदी केवल परस्पर संवाद और संपर्क का माध्यम ही नहीं है वरन वैश्विक स्तर पर भी अपनी सर्जनात्मकता, जिजीविषा और समावेशिता के कारण अपने प्रभुत्व का निरंतर विस्तार कर रही है। विश्व में ऐसे भी स्थान हैं जहां भारतीय मूल के लोग नहीं हैं तब भी वहां हिंदी बोली-समझी और पढ़ी जा रही है। आज विश्व के सभी महाद्वीपों के लगभग 140 से अधिक देशों में हिंदी की स्वीकार्यता में वृद्धि हो रही है। इसीलिए विश्व में हिंदी प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 100 करोड़ से अधिक हो गई है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं के बोलने वालों की संख्या से बहुत अधिक है। अब विश्व का मानचित्र बदल गया है। पहले अंग्रेजों के साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होने का मिथक था जो इतिहास बन गया किंतु अब हिंदी के लिए गर्व का विषय है कि उसके बोलने, समझने और लिखने वालों का संसार इतना विराट हो गया कि वहां कभी सूर्य अस्त नहीं होता।

भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रवाद की प्रखरता को मुखरता के साथ प्रस्फुटित करने वाली हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने, हिंदी के प्रति प्रवासी भारतीयों में भावनात्मक रिश्ता कायम करने और विश्व में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। यह सम्मेलन हिंदी के वैश्विक प्रसार की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की वर्षगांठ अर्थात 10 जनवरी 2006 से प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अधिकृत करने के भारतीय प्रस्ताव को मजबूत करने, हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता और अनुराग सृजित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है। अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श और भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण, वैश्विकरण और औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और इसी तर्ज पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय उत्पाद बेचने, व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है। अतः विवश होकर उन्हें हिंदी की ओर मुड़ना पड़ा। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित यूरोप के अन्य देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी सिखाने का व्यवसाय कर रही हैं। अपने उत्पादों के तकनीकी महत्व, जरूरी सूचनाएं, विज्ञापन आदि हिंदी में प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

इसके अतिरिक्त पर्यटन, विज्ञान, वाणिय, व्यवसाय, सूचना प्रणाली, डिजिटल मीडिया आदि अन्य क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्ता को रेखांकित करता है। अतः हिंदी केवल साहित्य की भाषा नहीं अपितु यह पूंजी, बाजार, संचार, तकनीक, विज्ञान, कूटनीति राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों का भी प्रतिनिधित्व करती है।

भारतीय जनमानस में सहिष्णुता, समरसता और स्व का भाव उत्पन्न करने वाली हिंदी वैश्विक फलक पर अपनी महत्ता का परचम लहरा रही है। हिंदी न केवल संख्या बल वरन भू विस्तार की दृष्टि से भी विश्व की प्रधान भाषाओं में से एक है। विश्व के मानचित्र पर तीसरी सबसे बड़ी संवाद शक्ति बनकर उभर रही हिंदी गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 50% से अधिक इंटरनेट उपभोक्ता हिंदी में सामग्री का उपभोग कर रहे हैं। सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब और विकिपीडिया पर हिंदी कंटेंट रचनाकारों की संख्या करोड़ों में हो गई है। डिजिटल मीडिया के युग में हिंदी सिनेमा, संगीत, गीतों, उपग्रह से प्रसारित कार्यक्रमों, धारावाहिकों, भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, खानपान, योग, अध्यात्म, लोकतांत्रिक मूल्यों और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक सॉफ्ट पावर के रूप में स्थापित कर दिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब हिंदी को अपनी रणनीति का अनिवार्य हिस्सा मान रही है। हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी हिंदी को ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में नए आयाम दिए हैं। विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी आदि विषयों की पाठ्य सामग्री भी अब हिंदी में सहजता से उपलब्ध होने के कारण शिक्षा का लोकतांत्रिकरण हो रहा है। विश्व के 180 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन प्रशिक्षण और शोध कार्य हो रहा है। इस प्रकार हिंदी विश्व भाषा बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

वैश्विकरण के इस युग में हिंदी भाषा के प्रयोग में परिवर्तन परिलक्षित हुआ है। साहित्य की दृष्टि से हिंदी में गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टि से उचतम साहित्य सृजित किया जा रहा है। हिंदी विभिन्न भाषाओं में अनुवाद का सशक्त माध्यम बन गई है। आज विश्व में पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों में आधे से अधिक हिंदी के हैं। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ में यद्यपि पूर्ण सम्मान नहीं मिला किंतु हिंदी में संयुक्त राष्ट्र के न्यूज़ पोर्टल चल रहे हैं। प्रवासी भारतीयों का हिंदी को जीवंत बनाए रखने में अद्भुत योगदान है। समय-समय पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशनों व जी 20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी के उद्घोष तथा विदेशों से हिंदी में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं व सोशल मीडिया के व्यापक प्रयोग से विश्व में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता में सुखद वृद्धि हो रही है। आज जन भाषा, संपर्क भाषा, वैश्विकरण और बाजारवाद के अनूठे दौर में विश्व फलक पर हिंदी के कदम निरंतर बढ़ रहे हैं और समग्र संसार में हिंदी को नए आयाम मिल रहे हैं।

यद्यपि हिंदी की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ने के बाद भी हिंदी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित है। सबसे बड़ी संवैधानिक कठिनाई यह है कि यदि भारत का एक भी प्रांत हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित नहीं करना चाहेगा तो वह राष्ट्रभाषा नहीं बन सकती। इसके साथ ही राजनीतिक नेतृत्व की तदर्थ वादी नीति, हिंदी समाज के मध्यम वर्ग का अपनी मातृभाषा के प्रति न्याय न करने, नौकरशाही प्रशासनिक तंत्र, अभिजात्य वर्ग की हिंदी के प्रति उपेक्षा तथा हिंदी के साथ अंग्रेजी की प्रतिष्ठा बनाए रखने के कारण हिंदी अपने ही घर में दासी की स्थिति में रह रही है। पता नहीं राष्ट्रभाषा हिंदी का वनवास कब समाप्त होगा।

हमें फादर कामिल बुल्के के इन विचारों को नहीं भूलना चाहिए जो उन्होंने द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर मॉरीशस में अभिव्यक्त किए थे ꠰द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि मॉरीशस के हिंदी भाषी नागरिकों से भारत के नागरिक प्रेरणा लेंगे और भारत में हिंदी को पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित करेंगे। ऐसा हो जाने पर ही हिंदी को विश्व भाषा का गौरव प्राप्त होगा।

आजादी के अमृत काल में पंच प्रण के बिंदु विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन ऐसे महत्वपूर्ण आयाम हैं जिनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पंच प्रण का दूसरा संकल्प गुलामी की हर सोच से मुक्ति में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है भाषा। दुर्भाग्यवश भारत को उस औपनिवेशिक शक्तिशाली मानसिकता से मुक्त करना संभव नहीं हो सका जिसमें अंग्रेजी को जानना ही विद्वता की निशानी माना जाता है। इसे अंग्रेजी के प्रति हमारी विवशता कहें या आकर्षण या अंधमोह कि आज अंग्रेजी हिंदी से अधिक सशक्त बन गई है। जन सामान्य को यह लगता है कि उनका बचा यदि अंग्रेजी नहीं जानता तो वह कितना भी मेघावी और प्रतिभाशाली क्यों ना हो सफल नहीं हो सकता। शिक्षा के पूंजीवादी चरित्र ने अंग्रेजी स्कूलों की भरमार लगा दी है। कभी-कभी तो हिंदी की उपेक्षा से मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि क्या सचमुच हम हिंदी के समर्थक हैं या हम ऐसा होने का मात्र आडंबर कर रहे हैं।

अतः हम सबको अपनी भाषा की ओर लौटने, उसे महत्व देने और दुनिया के लिए उसकी उपादेयता सिद्ध करने की की सख्त जरूरत है। हमें गैर हिंदी भाषियों के प्रति भी सम्मान का भाव रखना होगा। उत्तर-दक्षिण के मध्य सेतु बनाए रखने के लिए हमें एक-दूसरे की कम से कम एक भाषा को जरूर सीखना चाहिए। यदि हम ऐसा कर सके तो जैसे 19 वीं सदी फ्रेंच भाषा और 20 वीं सदी अंग्रेजी की थी तो 21वीं सदी हमारी होगी हिंदी की होगी।

सृजन का उत्स है संधान भी है, तरक्की
का यही उन्वान भी है ।
ज़ुबां कहते हैं हिंदी आप जिसको,
फकत भाषा नहीं पहचान भी है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एआई में नवाचार से नेतृत्व की ओर बढ़ता भारत

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वर्ष 2026 के आरंभ में भारत एक ऐसे निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका है, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता देश की तकनीकी दिशा तय करने वाला प्रमुख आधार बन रही है। यह परिवर्तन किसी एक नीति, संस्था या कंपनी का परिणाम नहीं है। यह भारत की सामूहिक बौद्धिक शक्ति, युवाओं की उद्यमशील सोच और एक स्पष्ट राष्ट्रीय दृष्टि का परिणाम है। जिस वैश्विक एआई प्रतिस्पर्धा में भारत कुछ वर्ष पहले तक दर्शक की भूमिका में माना जाता था, उसी मंच पर आज वह अग्रणी दावेदार के रूप में उभर रहा है।

वस्तुतः स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रिपोर्ट में भारत का सातवें स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर पहुँचना इस बदलाव का ठोस प्रमाण है। अमेरिका और चीन के बाद भारत का नाम आना यह दर्शाता है कि भारतीय प्रतिभा, स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी सोच अब वैश्विक स्तर पर गंभीरता से ली जा रही है।वैश्विक परिदृश्य में भारत की पहचान

आज हम इस सत्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और चीन के पास विशाल संसाधन और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर है। इसके बावजूद भारत ने अपनी अलग पहचान बनाई है। भारतीय एआई इकोसिस्टम की खासियत उसकी समस्या-समाधान आधारित सोच और बड़े पैमाने पर लागू करने की क्षमता है। स्टार्टअप फंडिंग में भारत का वैश्विक टॉप-5 में आना और एआई पब्लिकेशंस में लगातार बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि भारत ज्ञान और नवाचार दोनों में आगे बढ़ रहा है। देखा जाए तो एक तरह से Microsoft, Google, Amazon और Accel जैसी वैश्विक कंपनियों का भारतीय एआई स्टार्टअप्स में निवेश इस भरोसे को दर्शाता है कि आने वाले वर्षों में भारत एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

स्टार्टअप्स से सशक्त होता भारत

आज भारत में 150 से अधिक जेनरेटिव एआई स्टार्टअप्स सक्रिय हैं। इन स्टार्टअप्स ने वर्ष 2020 के बाद से 1.5 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। यह आँकड़ा एक स्थायी तकनीकी बदलाव की ओर इशारा करता है। भारत के एआई स्टार्टअप्स शिक्षा, स्वास्थ्य, भाषा, कृषि, ई-कॉमर्स, गेमिंग, मीडिया और औद्योगिक विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में गहराई से काम कर रहे हैं

Sarvam AI भारतीय भाषाओं के लिए बड़े भाषा मॉडल विकसित कर रहा है, जिससे एआई तकनीक आम नागरिक की पहुँच में आ सके। Gnani.ai और Soket AI वॉयस टेक्नोलॉजी के माध्यम से डिजिटल सेवाओं को सरल और स्वाभाविक बना रहे हैं।Avataar.ai औरU Gan AI जनरेटिव एआई के ज़रिये डिजिटल कंटेंट और वर्चुअल अनुभवों को नए आयाम दे रहे हैं। Krutrim का भारत का पहला एआई यूनिकॉर्न बनना यह स्पष्ट करता है कि भारतीय एआई नवाचार अब वैश्विक व्यावसायिक मानकों पर खरा उतर रहा है।

भारतीय एआई यात्रा की एक बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ सरकार और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग की स्पष्ट भावना दिखाई देती है। IndiaAI मिशन इसी सहयोग का परिणाम है। पाँच सौ से अधिक प्रस्तावों में से बारह स्टार्टअप्स को फाउंडेशन मॉडल्स के लिए चुना जाना यह दर्शाता है कि भारत अपनी एआई क्षमताओं को स्वयं विकसित करना चाहता है। जिसमें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनवरी 2026 में आयोजित गोलमेज बैठक ने इस सोच को और मजबूती दी। इस बैठक में शामिल एआई स्टार्टअप्स ने अपने अनुभव साझा किए और भारत में उपलब्ध अनुकूल वातावरण की सराहना की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि ꠰स्टार्टअप्स भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं। देश के हर युवा इनोवेटर के लिए प्रेरणा का संदेश है।

यहां प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नैतिकता, पारदर्शिता, निष्पक्षता और डेटा गोपनीयता पर दिया गया जोर यह स्पष्ट करता है कि भारत तकनीक को केवल प्रगति का साधन नहीं, बल्कि विश्वास का माध्यम भी मानता है। किफायती और समावेशी एआई की दिशा में भारत की पहल दुनिया के लिए एक वैकल्पिक और मानवीय मॉडल प्रस्तुत करती है।

भारत की एआई रणनीति की सबसे बड़ी ताकत उसका स्थानीय दृष्टिकोण है। भारतीय भाषाओं, सांस्कृतिक संदर्भों और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित किए जा रहे एआई मॉडल देश को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं। BharatGen जैसे प्रयास यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारतीय डेटा और भाषाओं पर आधारित मॉडल भारत की अपनी जरूरतों को पूरा करें।

भारतीय एआई स्टार्टअप्स की कहानी तकनीक से कहीं आगे की कहानी है। यह कहानी आत्मनिर्भर भारत, युवा भारत और नवाचारी भारत की कहानी है। यह उन उद्यमियों की कहानी है जो भारतीय संदर्भ में वैश्विक समाधान गढ़ रहे हैं। यह उस राष्ट्र की कहानी है जो भविष्य की तकनीक को अपनाने से पहले उसे समझता है और फिर अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ाता है। वस्तुतः आज जब भारत एआई की बात करता है, तब वह सिर्फ एल्गोरिदम और डेटा की चर्चा नहीं करता। वह समाज, समावेशन और विश्वास की बात करता है। यही सोच भारत को आने वाले समय में एक वैश्विक एआई शक्ति के रूप में स्थापित करेगी और यही सोच हर भारतीय को गर्व से भरने का कारण बनेगी। आज के दिन हमें यही आशा करनी चाहिए।

भारत में वामपंथी वैचारिकी, विश्वविद्यालयी आंदोलन और नक्सली समर्थन

–कैलाश चन्द्र

भारत का लोकतंत्र अपनी विविधता, मतभिन्नता और खुली बहस की परंपरा के कारण विश्व में विशिष्ट रहा है। किंतु पिछले दो दशकों में एक ऐसी वैचारिक धारा विकसित हुई है, जिसने विश्वविद्यालयों, वामपंथी छात्र संगठनों, शहरी बुद्धिजीवी समूहों और माओवादी हिंसा को व्यापक वैचारिक सूत्र में पिरो दिया है। यह विमर्श केवल छात्र-राजनीति या असहमति तक सीमित नहीं; यह राज्य-विरोध, पहचान की राजनीति, 'क्रांतिकारी प्रतिरोध' की संस्कृति और अंततः माओवादी सशस्त्र संघर्ष तक फैला सुनियोजित नैरेटिव बन चुका है।

सबसे स्पष्ट उदाहरण दिल्ली के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय- जेएनयू और जामिया मिल्लिया इस्लामिया तथा हैदराबाद एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय हैं, जहाँ विमर्श का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दृष्टिकोण से हटकर एक प्रकार के वैचारिक अराजकवाद की ओर दिखाई देता है। जेएनयू में एसएफआई, एआईएसए, डीएसएफ, डीएसयू जैसे वामपंथी छात्र संगठनों ने बीते वर्षों में न केवल वर्ग-संघर्ष के अपने पुराने नारे को पुनर्जीवित किया बल्कि राज्य, न्यायपालिका और लोकतांत्रिक संस्थाओं को खुलेआम चुनौती देने वाले आंदोलन खड़े किए। साल 2016 में अफजल गुरु की फाँसी के विरोध में लगे भारत की बर्बादी तक जंग चलेगी और पाकिस्तान जिंदाबाद जैसे नारे विश्वविद्यालयी राजनीति को निर्णायक मोड़ देने वाले सिद्ध हुए। यह सिर्फ एक छात्र-प्रदर्शन भर नहीं था; यह राष्ट्र-राज्य और न्यायिक संरचना को अवैध ठहराने वाले वैचारिक उभार का संकेत था, जिसमें अफजल गुरु जैसे आतंकवादी के प्रति सहानुभूति जताई गई और भारतीय न्याय व्यवस्था को कातिल बताने की मुहिम चली। इसी क्रम की अगली कड़ी जनवरी 2026 में तब उभरी, जब उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएँ खारिज होने पर जेएनयू में मोदी-शाह की कब्र खुदेगी जैसे हिंसक-उन्मादी नारे लगे। ये नारे लोकतांत्रिक असहमति से कहीं आगे बढ़कर हिंसक क्रांति की विचारधारा को वैधता प्रदान करते दिखे। एबीवीपी तथा अन्य समूहों द्वारा इसे राष्ट्र-विरोधी गतिविधि बताया जाना स्वाभाविक था; विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एफआईआर दर्ज करने से यह स्पष्ट हुआ कि परिसर केवल बहस के मंच नहीं रह गए बल्कि वैचारिक युद्धभूमि में बदल रहे हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में सीएए-एनआरसी आंदोलन के बाद तो 'प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स' का एक नया मॉडल विकसित हुआ- जहाँ सड़क, सोशल मीडिया और विश्वविद्यालय परिसर मिलकर ऐसा नैरेटिव गढ़ते हैं जिसमें अल्पसंख्यक अधिकार, राज्य दमन और उदार-वामपंथी विमर्श एक-दूसरे को सुदृढ़ करते हैं। यहाँ भी वही तर्क- फासीवाद, पुलिस-राज, राज्य-आतंक- प्रमुखता से उभरे, जो माओवादी अपने हिंसक संघर्ष को उचित ठहराने के लिए दशकों से उपयोग करते आए हैं।

यही वैचारिक साम्यता भारत के आदिवासी अंचलों में फैली माओवादी हिंसा को विश्वविद्यालयी विमर्श से जोड़ती है। साल 2010 के दंतेवाड़ा नरसंहार, जिसमें 76 सीआरपीएफ जवानों की मौत हुई, कुछ वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसे ऑपरेशन ग्रीन हंट का प्रतिकार कहकर उचित ठहराने का प्रयास किया। इसी प्रकार साल 2021 में सुकमा-बीजापुर में 22 जवानों की हत्या और इन घटनाओं में माओवादी कमांडर मदवी हिड़मा की भूमिका यह प्रमाण है कि विचार जब हथियारों के साथ घुल-मिल जाते हैं, तो वह राष्ट्र और उसके रक्षकों पर प्रहार के रूप में सामने आते हैं।

साल 2025 में हिड़मा और बसवराजू जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के मारे जाने के बाद भी शहरी नक्सली नेटवर्क सक्रिय रहा। उसी वर्ष दिल्ली के प्रदूषण-विरोधी प्रदर्शनों में मदवी हिड़मा के समर्थन में नारे और बिरसा मुंडा की छवि के साथ हिड़मा के पोस्टर लगाना यह दर्शाता है कि शहरी नेटवर्क न केवल ग्रामीण हिंसा का समर्थन करते हैं बल्कि आदिवासी प्रतीकों को माओवादी हिंसा के औचित्य के रूप में प्रस्तुत करने की रणनीति अपनाते हैं।

इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत में वामपंथी छात्र राजनीति अब सिर्फ परिसर-गत मुद्दों का विस्तार नहीं रह गई; यह राष्ट्रीय राजनीति से लेकर सशस्त्र माओवादी संघर्ष तक फैला बड़ा वैचारिक मोर्चा है। न्यायपालिका के निर्णयों- अफजल गुरु, बुरहान वानी आदि के विरुद्ध जिस आक्रोश और प्रतिरोध का नैरेटिव खड़ा किया गया, वह वही समूह कर रहे हैं जो लगातार राज्य की नैतिक वैधता को ही संदेह के घेरे में रखते हैं।

भारत तेरे टुकड़े होंगे और प्रधानमंत्री-गृहमंत्री के लिए खुलेआम हिंसक धमकियाँ, लोकतांत्रिक असहमति नहीं बल्कि अराजकता की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। इस वैचारिक तंत्र के भीतर मार्क्सवादी समूहों, इस्लामी कट्टरपंथी धाराओं, माओवादी नेटवर्क और कुछ विदेशी मिशनरी संगठनों की गतिविधियों का घालमेल एक प्रकार के वैचारिक 'कॉकटेल मॉडल' के रूप में उभर रहा है- जिसका लक्ष्य भारत की एकता को कमजोर करना, समाज में विभाजन पैदा करना और राज्य-व्यवस्था को चुनौती देना है।

पूर्वोत्तर भारत को 'चिकन नेक' क्षेत्र में विभाजित कर अलग करने की खुली वकालत करने वाले समूहों को भी लंबे समय से विश्वविद्यालय परिसर वैचारिक ऊर्जा प्रदान करते रहे हैं। यदि ऐसे शैक्षणिक केंद्र और शहरी नेटवर्क अनियंत्रित रहे, तो आने वाले समय में यही संस्थान वैश्विक मंच पर भारत की पहचान को अराजकता, हिंसा और पत्थरबाज़ी के प्रतीकों में बदल सकते हैं।

अंततः प्रश्न यह नहीं कि असहमति होनी चाहिए या नहीं- असहमति लोकतंत्र की आत्मा है। प्रश्न यह है कि क्या असहमति की आड़ में राष्ट्र-विरोध, हिंसा और सशस्त्र संघर्ष का समर्थन दिया जा सकता है क्या विश्वविद्यालय ज्ञान के केंद्र बने रहेंगे या राजनीतिक रणभूमि बन जाएंगे क्या भारतीय वामपंथ माओवादी हिंसा से स्वयं को स्पष्ट रूप से अलग कर अपनी वैधानिक भूमिका सिद्ध करेगा क्या भारत अपनी शिक्षा संस्थाओं को विदेशी हस्तक्षेप, वैचारिक प्रदूषण और उग्रवाद के बढ़ते प्रभाव से सुरक्षित रख सकेगा भारत का भविष्य इन्हीं निर्णायक प्रश्नों के उत्तरों में निहित है।

(लेखक, वरिष्ठ स्तम्भकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

खेलो इंडिया बीच गेम्सः तृप्ति पांडेय ने पेनकैक सिलाट में जीता गोल्ड

एजेंसी
भोपाल। दमन और दीव में 5 से 10 जनवरी 2026 तक चल रहे खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के अंतर्गत आयोजित पेनकैक सिलाट प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश की होनहार खिलाड़ी तृप्ति पांडे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला टांडिंग 55-60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तृप्ति पांडेय की इस उपलब्धि पर प्रदेश के खेल मंत्री ने उन्हें बधाई दी है। प्रतियोगिता के दौरान तृप्ति पांडेय ने उच्च स्तरीय तकनीकी कौशल, सटीक अटैक, मजबूत डिफेंस और उत्कृष्ट फुटवर्क का परिचय दिया। उनके मुकाबलों में संतुलित मूवमेंट, सही टाइमिंग और रणनीतिक अनुशासन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिसने उन्हें प्रत्येक राउंड में निर्णायक बढ़त दिलाई। दबावपूर्ण परिस्थितियों में भी उनकी मानसिक दृढ़ता और निरंतरता उनके प्रदर्शन की विशेष पहचान रही। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तृप्ति पांडेय की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि 'तृप्ति पांडेय का खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में स्वर्ण पदक जीतना मध्य प्रदेश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उनका प्रदर्शन यह सिद्ध करता है कि राज्य की बेटियाँ अब हर खेल में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता का परचम लहरा रही हैं। उनकी यह सफलता प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

प्रीमियर लीग 2025-26: आर्सेनल और लिवरपूल के बीच गोलरहित ड्रॉ

एजेंसी
लंदन। आर्सेनल को प्रीमियर लीग 2025-26 में शीर्ष पर अपनी बढ़त आठ अंकों तक ले जाने का सुनहरा मौका गंवाना पड़ा, जब बारिश से भीगे एमिरेट्स स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में उसका सामना डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल से 0-0 की निराशाजनक बराबरी पर छूटा। मिकेल आर्टेटा की टीम ने अपने पिछले सात घरेलू लीग मुकाबले जीते थे और उसे उम्मीद थी कि वह खिताबी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाएगी, खासकर तब जब मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला ने एक रात पहले अंक गंवाए थे। हालांकि, लिवरपूल–जो चोटों से जूझ रहा था और बिना किसी मान्यता प्राप्त स्ट्राइकर के उतरा–ने आर्सेनल को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

मैच की शुरुआत में आर्सेनल ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन लिवरपूल ने धीरे-धीरे लय पकड़ी और पहले हाफ में बढ़त लेने के सबसे करीब रहा। कॉनर ब्रैडली का चिप शॉट क्रॉसबार से टकरा गया, जबकि कोडी गाकपो का फॉलो-अप शॉट डिफेंस ने रोक लिया।

दूसरे हाफ में आर्टेटा ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कई बदलाव किए, लेकिन उनका असर सीमित रहा। गेब्रियल जीसस, गेब्रियल मार्टिनेली, एबेरेची एज़े और नोनी माडुके जैसे खिलाड़ियों को उतारने के बावजूद आर्सेनल की आक्रमण पंक्ति बेअसर रही और मुकाबला धीरे-धीरे फीका पड़ गया।इस ड्रॉ के साथ आर्सेनल मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला से छह अंक आगे शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि लिवरपूल नौ मैचों की अपराजेय लीग श्रृंखला के बावजूद चौथे स्थान पर है और शीर्ष से 14 अंक पीछे है। दूसरे हाफ में आर्सेनल का दबदबा लगभग नदारद रहा। टीम को स्टॉपेज टाइम तक कोई कॉर्नर भी नहीं मिला और उसकी मशहूर सेट-पीस रणनीति भी काम नहीं आई। मैच के अंत में खिलाड़ियों और दर्शकों के चेहरों पर निराशा साफ दिखी, हालांकि 17 मैच शेष रहते आर्सेनल अब भी 2004 के बाद अपना पहला इंग्लिश लीग खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'दूसरा हाफ हमारे लिए काफी मुश्किल रहा। ऐसे मुकाबलों में किसी खास पल की जरूरत होती है, जो नहीं आया। लेकिन अगर आप जीत नहीं सकते, तो हारना भी नहीं चाहिए। क्रिसमस के दौरान हमने छह मैच खेले और इसके बावजूद हम मजबूत स्थिति में हैं।' लिवरपूल को अंक मिलना जायज रहा, हालांकि उसे अंत में एक और चोट का झटका लगा जब ब्रैडली स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए। इस घटना के दौरान गेब्रियल मार्टिनेली द्वारा घायल खिलाड़ी को मैदान से हटाने की कोशिश पर विवाद हुआ और उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया।

लिवरपूल के मिडफील्डर डोमिनिक सोबोस्लाई ने कहा, 'हम जीतना चाहते हैं, वे भी जीतना चाहते हैं, लेकिन किसी खिलाड़ी की सेहत किसी भी चीज से ज्यादा अहम है।'

केआईबीजी (राउंडअप): लोकल फेवरेट प्रसन्ना बेंद्रे ने टांडिंग स्वर्ण जीता, बीच वॉलीबॉल में तमिलनाडु का दबदबा

एजेंसी
दीव। दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव के स्थानीय खिलाड़ी प्रसन्ना बेंद्रे ने बीच पेनक सिलाट में टांडिंग स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि तमिलनाडु ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में बीच वॉलीबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत सहित कुल चार पदक जीते। घोघला बीच पर खेले गए मुकाबलों में तमिलनाडु ने पदक तालिका में बढ़त बना ली दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव द्वारा आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण और राष्ट्रीय खेल महासंघों की तकनीकी देखरेख में किया जा रहा है। खेलों के दूसरे संस्करण में 1100 से अधिक खिलाड़ी आठ खेलों – वॉलीबॉल, सॉकर, सेपकटाकरा, कबड्डी, पेनक सिलाट, ओपन वाटर स्विमिंग, मल्लखंब और रस्साकशी – में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इनमें पहले छह खेल पदक स्पर्धाएं हैं और कुल 32 स्वर्ण पदक दांव पर हैं। टुंगल स्पर्धा में रजत जीत चुके प्रसन्ना बेंद्रे ने पुरुषों की टांडिंग क्लास बी (50-55 किग्रा) के फाइनल में मणिपुर के याइस्कोम रोहित मीतेई को 15-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ मेजबान दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव का पदक खाता दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य तक पहुंच गया। हालांकि, बीच वॉलीबॉल एरीना और पेनक सिलाट में पुरुषों की रेगु स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर तमिलनाडु ने कुल पदक तालिका में बढ़त बना ली।

गुजरात के सूरत में नौ जनवरी से आइसीपीएल सीजन-3

सूरत। गुजरात के सूरत के खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ी और रोमांचक खबर है। शहर में 9 जनवरी से 6 फरवरी तक इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग(आइसीपीएल) सीजन-3 का आगाज होने जा रहा है। यह क्रिकेट महोत्सव सूरत के ऐतिहासिक लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां कुल 44 रोमांचक मुकाबले आयोजित होंगे। इस क्रिकेट लीग की सबसे खास बात यह है कि इसमें बॉलीबुड और साउथ सिनेमा के दिग्गज सितारों की सह-मालिकाना वाली 8 टेनिस क्रिकेट टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजकों के अनुसार, 9 जनवरी को होने वाले पहले मुकाबले के दौरान क्रिकेट के भगवान मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकरकी मौजूदगी की भी प्रबल संभावना जताई जा रही है, जिससे उद्घाटन मैच और भी खास बन सकता है। माझी मुंबई - सह-मालिक : अमिताभ बच्चन (डिफेंडिंग चैंपियन टीम)।टाइगर्स ऑफ कोलकाता- सह-मालिक : सैफ अली खान और करीना कपूर।श्रीनगर के वीर- सह-मालिक : अक्षय कुमारचेन्नई सिंगम्स - सह-मालिकः सूर्या।बेंगलुरु स्ट्राइकर्स- सह-मालिक : रितिक रोशन। फाल्कन राइजर्स हैदराबाद- सह-मालिक : राम चरन।दिल्ली सुपरहीरोज- सह-मालिक : सलमान खान।अहमदाबाद लायंस- सह-मालिक : अजय देवगन। आईसीपीएल सीजन-3 में देशभर के कई प्रतिभाशाली उभरते खिलाड़ी नजर आएंगे।

सुहाना-वंदना की जोड़ी चैम्पियन, शिवजीत और ग्लैडलिन को एकल खिताब

प्रयागराज। एजी उत्तर प्रदेश की सुहाना नार्जिनारी और वंदना सिंह की जोड़ी ने उत्तर क्षेत्रीय भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में महिला युगल के खिताब पर कब्जा जमा लिया। हरियाणा के अभिषेक जग्गी और आदिश राना ने पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। पुरुष एकल में दिल्ली ऑडिट के शिवजीत सिंह लांबा और महिला एकल में दिल्ली ऑडिट की ही ग्लैडलिन फ्लोरा चैम्पियन बनी। अमिताभ बच्चन कीड़ा संकुल (मेयोहाल) में सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में महिला युगल के खिताबी मुकाबले में सुहाना नार्जिनारी और वंदना सिंह (उत्तर प्रदेश) की जोड़ी ने सानिया सहगल और विदुषी वत्स (दिल्ली ऑडिट) को 3-0 से पराजित किया। पुरुष युगल के फाइनल में अभिषेक जग्गी एवं अदीस राणा (हिमाचल प्रदेश) ने अभिनव बिलवाल और नक्कास मेहरा (पंजाब) को 3-0 से हराया।पुरुष एकल के फाइनल में शिवजीत सिंह लांबा (दिल्ली ऑडिट) ने आकाश गुप्ता (दिल्ली ऑडिट) को 3-0 से, महिला एकल के फाइनल में ग्लैडलिन फ्लोरा (दिल्ली ऑडिट) ने तमन्ना सैनी (पंजाब) को 3-0 से हराया। 50 वर्ष से अधिक पुरुष वेटरन के फाइनल में जोगिंदर सिंह बिष्ट (दिल्ली ऑडिट) ने वीरेंद्र श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश) को महिला वेटरन (50 वर्ष से अधिक) के फाइनल में राधा तिवारी (उत्तर प्रदेश) ने आभा पांडेय (उत्तर प्रदेश) को और महिला (40 वर्ष से अधिक) वेटरन फाइनल में शिखा (हरियाणा) ने गुरविंदर कौर (पंजाब) को पराजित किया।

केआईबीजी ने पेंचक सिलाट का स्वर्ण जीतकर चमके मणिपुर के सुधीर मीतेई

दीव। मणिपुर के वाहेंगबाम सुधीर मीतेई के लिए पेंचक सिलाट का सफर कभी आसान नहीं रहा। आर्थिक तंगी ने उन्हें कॉलेज की पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर कर दिया था, तो एक गंभीर चोट ने उनके खेल करियर को लगभग खत्म कर दिया था। इसके बावजूद 19 वर्षीय सुधीर ने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत के दम पर खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026 में पेंचक सिलाट की गांडा स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह मुकाबले दिउ के गांडा स्थल पर खेले गए सुधीर ने साई मीडिया से बातचीत में कहा, 'हम पांच लोगों का परिवार है। मैं तीन भाइयों में सबसे बड़ा हूं। पिता छोटे स्तर पर पशुपालन का काम करते हैं। मैं वेल्डिंग का काम करता हूं, जिससे मुझे 500 रुपये प्रतिदिन मिलते हैं और खाली समय में पिता के साथ सूअर बेचने में मदद करता हूं।'

नेशनल वॉलीबॉल में यूपी की बेटियों का कमाल, क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डॉ . संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में जारी 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के पांचवें दिन गुरुवार शाम उत्तर प्रदेश की महिला टीम ने अपने जुझारू प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग मुकाबले में ओडिशा को हराकर यूपी की बेटियों ने अगले चक्र में प्रवेश कर लिया । वहीं, पुरुष वर्ग में कांटे की टक्कर के बीच रेलवे ने उत्तर प्रदेश का सफर रोक दिया। महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग में उत्तर प्रदेश और ओडिशा के बीच हर अंक के लिए संघर्ष हुआ। यूपी की जीत की मुख्य सूत्रधार सेटर आर्या रहीं, जिन्होंने अपनी उंगलियों के जादू से शानदार 'बॉल सेट' किए। उनकी सटीक सेटिंग का पूरा फायदा काजल और प्रियंका जैसी अटैकर्स ने उठाया और ओडिशा के पाले में धुआंधार स्मैश की बौछार कर दी। डिफेंस में लिब्रो जान्सी ने अविश्वसनीय कलेक्शन दिखाए, जबकि नेट पर मीना और नीलू ने

अपनी ब्लॉकिंग से प्रतिद्वंद्वी के हमलों को नाकाम कर दिया। ओडिशा की हार का मुख्य कारण उनका कमजोर बॉल पास और अंत में बिखरा हुआ तालमेल रहा। यूपी ने यह मुकाबला 3-1 (25-23, 27-25, 23-25, 25-23) से अपने नाम किया।

वही, पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग में रेलवे ने उत्तर प्रदेश को 3-2 से शिकस्त दी। यूपी की ओर से रजनीश सिंह और शहीद आलम के पावरफुल शॉट्स और यूनिवर्सल सूर्यांश के ऑलराउंड प्रदर्शन ने रेलवे को मुश्किल में डाले रखा, लेकिन अंत में रेलवे के अनुभव ने बाजी मार ली। रेलवे के अटैकर रोहित, शाहिद व तनिष्क और ब्लॉकर संजय मलिक व शुभम के सामने यूपी का डिफेंस टिक नहीं सका। यूनिवर्सल रोहित के ऑलराउंड प्रदर्शन ने रेलवे की जीत सुनिश्चित की।प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल के 8 मैच खेले जाएंगे।

मलेशिया ओपन : चोट के कारण यामागुची के हटने से सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु

एजेंसी
कुआलालंपुर। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शुक्रवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण मैच से हटने के बाद सिंधु को यह सफलता मिली। लंबे समय बाद चोट से वापसी कर रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। इस दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची घुटने पर ब्रेस लगाए नजर आईं। पहले गेम के बाद यामागुची ने अपनी चोट को देखते हुए मैच आगे नहीं खेलने का फैसला किया।

इस जीत के साथ विश्व नंबर-18 सिंधु ने यामागुची के खिलाफ अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 15-12 कर लिया। खास बात यह है कि सिंधु आठ साल बाद मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची हैं, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि

मानी जा रही है। सेमीफाइनल में अब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु का सामना इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वारदानी या चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी से होगा। आज भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी कोर्ट पर उतरेंगी। भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी से होगा।

स्पैनिश सुपर कपः एथलेटिक क्लब को 5-0 से रौंदकर फाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

एजेंसी
जेद्दा। एफसी बार्सिलोना ने स्पैनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में देर रात एथलेटिक क्लब को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर फाइनल में शानदार प्रवेश किया। मुकाबला हाफटाइम तक ही लगभग खत्म हो चुका था, जब बार्सिलोना ने चार गोल की बढ़त बना ली थी। यह बार्सिलोना का लगातार चौथा स्पैनिश सुपर कप फाइनल है और कुल मिलाकर 28वां, जो इस टूर्नामेंट में उसके दबदबे को और मजबूत करता है। बार्सिलोना अब तक 15 बार सुपर कप खिताब जीत चुका है, जो किसी भी क्लब से ज्यादा है। मैच से पहले एथलेटिक क्लब के कप्तान इनाकी विलियम्स ने सुपर कप को सऊदी अरब में कराने के फैसले की आलोचना की थी। हालांकि, मैच की शुरुआत के पहले 10 मिनट में एथलेटिक ने कुछ आक्रामकता दिखाई, लेकिन इसके बाद टीम का फोकस बिखर गया और बार्सिलोना के तेज और लयबद्ध आक्रमण के सामने वह टिक नहीं

सकी। बार्सिलोना ने 18वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल से खाता खोला। इससे पहले एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने फर्मिन लोपेज का शॉट बचाया था। एथलेटिक का दावा था कि शुरुआती गोल से पहले उनके खिलाड़ी एलेक्स बेरेंगुएर के साथ फाउल हुआ था, लेकिन इसके बाद आए गोलों की बौछार का उनके पास कोई जवाब नहीं था। 30वें मिनट में राफिन्हा के शानदार क्रॉस पर फर्मिन लोपेज ने गेंद को जाल में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके महज दो मिनट बाद फर्मिन ने रूनी बार्डघजी को बेहतरीन पास दिया, जिस पर उन्होंने तीसरा गोल दागा। 38वें मिनट में रूनी बार्डघजी ने इस बार राफिन्हा को मौका दिया और राफिन्हा ने ताकतवर शॉट के साथ अपना पहला गोल किया। दूसरे हाफ के सात मिनट बाद दोनों की जोड़ी ने एक बार फिर कमाल दिखाया और बार्सिलोना ने पांचवां गोल दाग दिया। एथलेटिक के कोच एर्नेस्टो वालवर्दे ने एक घंटे के भीतर ही अपने सभी पांच बदलाव कर दिए, जबकि बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने मार्कस रैशफोर्ड, मार्क बर्नाल, जेरार्ड मार्टिन और लामिन यामाल को मैदान पर उतारा। इसके बाद मैच की गति धीमी हो गई। एथलेटिक के उनाई गोमेज़ को एक अच्छा मौका जरूर मिला, लेकिन तब तक बार्सिलोना की नजरें रविवार को होने वाले फाइनल पर टिक चुकी थीं। फाइनल में उसका सामना रियल मैड्रिड या एटलेटिको मैड्रिड से होगा, जिनके बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा।

महिला हीरो हॉकी इंडिया लीगः रांची रॉयल्स ने एसजी पाइपर्स को 5-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया

एजेंसी
रांची। रांची रॉयल्स ने महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 के अपने अंतिम मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए एसजी पाइपर्स को 5-2 से मात दी। चौथे क्वार्टर में आक्रामक खेल के दम पर रांची रॉयल्स ने यह मुकाबला अपने नाम किया और टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही। रॉयल्स की ओर से लुसीना वॉन डर हाइडे (2', 47'), संगीता कुमारी (24') और हन्ना कॉटर (55', 60') ने गोल किए, जबकि एसजी पाइपर्स की कप्तान नवनीत कौर (10', 58') ने दो गोल दागे। एसजी पाइपर्स पहले ही टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। मैच की शुरुआत एसजी पाइपर्स ने आक्रामक अंदाज़ में की, लेकिन रांची रॉयल्स ने जल्दी ही नियंत्रण हासिल कर लिया और पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ लुसीना वॉन डर हाइडे ने दूसरे मिनट में गोल कर रॉयल्स को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद भी रांची ने दबाव बनाए रखा, हालांकि 10वें मिनट में नवनीत कौर ने गोल कर एसजी पाइपर्स को बराबरी दिला दी। पहले क्वार्टर का खेल 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच तेज़ और रोमांचक खेल देखने को मिला। रांची रॉयल्स ने लगातार सर्कल में हमले किए, जिसका फायदा 24वें मिनट में संगीता कुमारी ने उठाया और गोल कर टीम को फिर से बढ़त दिलाई। इसके बाद रांची ने खेल की गति पर नियंत्रण बनाए रखा और हाफ टाइम तक 2-1 की बढ़त के साथ आगे रही। तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने मिडफील्ड में दबदबा बनाए रखा और सतर्क खेल दिखाया। दोनों टीमों को गोल के मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम स्कोर में इज़ाफा नहीं कर सकी।

महिला हॉकी इंडिया लीग का फाइनल शनिवार को रांची में, मिलेगा नया चैंपियन

एजेंसी
रांची। दो सप्ताह तक चले रोमांचक मुकाबलों और 12 मैचों में कुल 37 गोल देखने के बाद महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 अपने चरम पर पहुंच गई है। शनिवार को मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले जाने वाले फाइनल में एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स खिताब के लिए आमने-सामने होंगी।

टूर्नामेंट की विजेता टीम को 1.5 करोड़ की इनामी राशि दी जाएगी, जबकि उपविजेता को 1 करोड़ रुपये मिलेंगे। तीसरे स्थान पर रही रांची रॉयल्स को 50 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा टूर्नामेंट की हीरो प्लेयर को 20 लाख, जबकि बेस्ट गोलकीपर, उभरती खिलाड़ी (अपकमिंग प्लेयर) और टॉप स्कोरर को 5-5 लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। फेयरप्ले ट्रॉफी भी

उस टीम को दी जाएगी जिसने पूरे टूर्नामेंट में खेल भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया हो। लीग चरण की बात करें, तो एसजी पाइपर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। श्राची बंगाल टाइगर्स ने नियमित समय में दो जीत और शूटआउट में दो जीत के दम पर 10 अंक जुटाकर दूसरा स्थान पाया। रांची रॉयल्स 9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। दोनों फाइनलिस्ट टीमों के बीच लीग चरण में दो मुकाबले खेले गए थे और दोनों ही बार श्राची बंगाल टाइगर्स ने शूटआउट में जीत दर्ज की। पहला मुकाबला 3-3 से ड्रॉ रहा, जिसके बाद टाइगर्स ने शूटआउट में 4-3 से बाजी मारी। दूसरे मैच में गोलरहित ड्रॉ के बाद टाइगर्स ने 7-6 से शूटआउट में जीत हासिल की। आंकड़ों के लिहाज से एसजी पाइपर्स का पलड़ा थोड़ा भारी नजर आता है। टीम ने अब तक 11 गोल दागे हैं और वह टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम है। कप्तान नवनीत कौर ने 4 गोल किए हैं, जबकि लोला रिएरा (3) और सुनेलिता टोप्पो (2) ने भी अहम योगदान दिया है। पाइपर्स की डिफेंस भी मजबूत रही है और उन्होंने लीग चरण में सिर्फ 9 गोल खाए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के विदाई सत्र में पूर्व चैंपियन स्टान वावरिंका को मिला वाइल्डकार्ड

एजेंसी
मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए पूर्व चैंपियन स्टान वावरिंका को वाइल्डकार्ड प्रदान किया गया है। यह वावरिंका का प्रोफेशनल टेनिस करियर का आखिरी सत्र होगा, जिसके बाद वह संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने घोषणा की कि अंतिम तीन वाइल्डकार्ड तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता वावरिंका के अलावा ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन और क्रिस ओ'कॉनेल को दिए गए हैं।

स्विट्ज़रलैंड के 40 वर्षीय वावरिंका ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब साल 2014 में मेलबर्न में जीता था। उसी सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च तीसरी पायदान हासिल की थी। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में दो बार सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 156वें

स्थान पर काबिज वावरिंका ने वाइल्डकार्ड मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'अपने टूर के आखिरी साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलकर करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' वावरिंका की वापसी से ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अनुभव और भावनाओं का खास मिश्रण देखने को मिलेगा, जहां टेनिस प्रशंसकों को एक महान खिलाड़ी को अंतिम बार ग्रैंड स्लैम मंच पर खेलते देखने का मौका मिलेगा।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026: सेपकटकरा में हरियाणा महिला और दिल्ली पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण

एजेंसी
दीव। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में सेपकटकरा स्पर्धा में हरियाणा की महिला टीम और दिल्ली की पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। दोनों ही फाइनल मुकाबलों में बिहार की टीम को हार का सामना करना पड़ा। घोघला बीच पर खेले गए महिला सेपकटकरा फाइनल में हरियाणा ने पहले रेगू में हार के बाद जोरदार वापसी करते हुए बिहार को 2-1 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला करीब एक घंटा 15 मिनट तक चला। वहीं पुरुष वर्ग के फाइनल में दिल्ली की टीम ने बिहार को सीधे सेटों में 2-0 से शिकस्त दी। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 का आयोजन केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन भारतीय खेल प्राधिकरण (स्र्ढ्ढ) और संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघों की देखरेख में हो रहा है। खेलो इंडिया बीच गेम्स के दूसरे संस्करण में 1100 से अधिक खिलाड़ी आठ खेलों–वॉलीबॉल, सॉकर, सेपकटकरा, कबड्डी, पेंचक सिलाट, ओपन वाटर स्विमिंग, मल्लखंब और टग ऑफ वॉर–में भाग ले रहे हैं। इनमें से पहले छह खेल पदक स्पर्धाएं हैं और कुल 32 स्वर्ण पदक दांव पर हैं।

दादरा–नागर हवेली और दमन–दीव में मल्लखंभ बना आदिवासी बच्चों के आत्मविश्वास और पहचान का माध्यम

एजेंसी
दीव। दादरा और नागर हवेली व दमन-दीव के आदिवासी इलाकों में, जहां खेल लंबे समय तक रोज़मर्रा की आजीविका की जद्दोजहद के पीछे दबा रहा, वहीं पारंपरिक भारतीय खेल मल्लखंभ आज बदलाव की एक शांत लेकिन मजबूत कहानी लिख रहा है। कभी खुले खेतों और खाली मैदानों तक सीमित रहा यह खेल अब आत्मविश्वास, पहचान और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनता जा रहा है–वह भी संसाधनों से वंचित समुदायों के बच्चों के लिए। इस परिवर्तन की धुरी हैं मल्लखंभ कोच शुभम मैर, जो 2019-20 में महाराष्ट्र के नासिक जिले से यहां आए थे। उन्हें खानवेल ग्राम पंचायत द्वारा अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया गया। वर्तमान में शुभम खानवेल डिवीजन के शेल्टी गांव स्थित मल्लखंभ अकादमी में मुख्य कोच के रूप में कार्यरत हैं। शुभम बताते हैं, 'पहले दिन कुछ भी नहीं था–न प्रशिक्षण सुविधा, न उपकरण, न सुरक्षा इंतज़ाम। बच्चे धान के खेतों में, नंगी ज़मीन पर अभ्यास करते थे, कभी-कभी पेड़ों पर भी चढ़ते थे। पोल, मैट, तेल या पाउडर कुछ नहीं था। लेकिन सीखने की भूख असाधारण थी।' अधिकांश बच्चों ने पहले कभी मल्लखंभ का नाम तक नहीं सुना था। खेती और दिहाड़ी मज़दूरी करने वाले आदिवासी परिवारों से आने वाले इन बच्चों के लिए खेल को करियर के रूप में देखना लगभग असंभव-सा था। जहां दो वक्त की रोटी जुटाना भी चुनौती हो, वहां व्यवस्थित प्रशिक्षण एक दूर का सपना लगता था। 2019-20 में निर्णायक मोड़ तब आया, जब शुभम खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तैयारी के लिए पंचकूला (हरियाणा) गए। इसके बाद लक्ष्य स्पष्ट था–उभरते खिलाड़ियों को प्रतियोगिता का अनुभव दिलाना। मकसद तुरंत पदक जीतना नहीं, बल्कि बच्चों को राष्ट्रीय स्तर के माहौल से परिचित कराना और आत्मविश्वास विकसित करना था। इस प्रयास को बाद में संस्थागत सहयोग भी मिला। युवा कार्य एवं खेल, दादरा और नागर हवेली व दमन-दीव के संयुक्त सचिव अरुण गुप्ता ने बताया कि आदिवासी खेल विकास संघ शासित प्रदेश की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। दादरा और नागर हवेली में 50 प्रतिशत से अधिक आबादी आदिवासी समुदायों की है। उन्होंने बताया कि खानवेल में स्थायी मल्लखंभ प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है, जबकि सिलवासा में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से तीरंदाजी, एथलेटिक्स और टेबल टेनिस को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस केंद्र में लगभग 75 खिलाड़ी आवासीय सुविधा के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिनमें अधिकांश आदिवासी पृष्ठभूमि से हैं। इसके अलावा दिउ, दमन और दादरा एवं नागर हवेली में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना और हाई-परफॉर्मेंस सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इस सहयोग का असर अब साफ दिखाई दे रहा है। नासिक से आए वरिष्ठ कोचों के मार्गदर्शन से प्रशिक्षण पद्धतियां व्यवस्थित हुई और नियमित प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों के कौशल में निखार आया। खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में शुभम पहली बार छह लड़कों और छह लड़कियों की टीम लेकर पहुंचे–जिनमें से कई के लिए यह इतने बड़े बहु-खेल आयोजन का पहला अनुभव था। शुभम कहते हैं, 'जब बच्चे यहां प्रतिस्पर्धा करते हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि वे किसी भी राज्य के खिलाड़ियों से कम नहीं हैं। यही विश्वास सब कुछ बदल देता है।' 12 वर्षीय काव्या, जिन्हें स्कूल में मल्लखंभ से परिचय मिला, कहती हैं, 'कक्षा सातवीं में यह खेल शुरू हुआ ।

एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ में हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के कोयला उपक्रम (पीएसयू) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) प्रोग्राम के तहत नवा रायपुर छत्तीसगढ़ में एक हेल्थकेयर स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाने के लिए श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्?ताक्षर किया है। इस समझौते से प्रोजेक्ट को 35.04 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद मिलेगी। कोयला मंत्रालय के मुताबिक प्रस्तावित इंस्टीट्यूट सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को नर्सिंग असिस्टेंट, टेक्नीशियन और हेल्थकेयर से जुड़े दूसरे प्रोफेशनल्स सहित मुख्य हेल्थकेयर क्षेत्रों में मुफ्त स्किल-बेस्ड ट्रेनिंग देगा। इस पहल का मकसद रोजगार क्षमता बढ़ाना और हेल्थकेयर सर्विस डिलीवरी को मज़बूत करना है, खासकर उन इलाकों में जहां ये सुविधाएं कम हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस समझौते के तहत कैंपस में एकेडमिक ब्लॉक, हॉस्टल, स्टाफ के रहने की सुविधाएं और उससे जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल होगा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के ऑपरेशनल जिलों के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी और इन जिलों के लिए सालाना एडमिशन में कम से कम 20 फीसदी सीटें 25 साल की अवधि के लिए रिजर्व रहेंगी, जिसे परफॉर्मेंस के आधार पर बढ़ाया जा सकता है।

एयर इंडिया का पहला लाइन फिट बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचेगा

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया को लंबा इंतजार करने के बाद 'लाइन फिट' बोइंग 787-9 विमान मिल गया है। विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े में 8 साल से अधिक समय में शामिल होने वाला यह पहला 'ड्रीमलाइनर' भी है। अमेरिका में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निरीक्षण के बाद इस विमान के अगले कुछ दिन में भारत पहुंचने की उम्मीद है। एयर इंडिया ने 7 जनवरी को अमेरिका के सिएटल में बोइंग के एवरेट कारखाने में 'ड्रीमलाइनर' का स्वामित्व हासिल किया। जनवरी, 2022 में निजीकरण के बाद लिया जाने वाला यह एयर इंडिया का पहला 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर है। एयर इंडिया ने आखिरी बार 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर अक्टूबर, 2017 में हासिल किया था, जब विमानन कंपनी भारत सरकार के स्वामित्व में थी। विमानन उद्योग में 'लाइन फिट' का मतलब होता है कि कोई उपकरण, सिस्टम या फीचर विमान के विनिर्माण (असेंबली) की प्रक्रिया के दौरान ही विमान में लगाया जाए, न कि बाद में उसे विमान में लगाया जाए। एयर इंडिया के मुताबिक 2023 में ऑर्डर किए गए 220 बोइंग विमान में से यह 52वां विमान है। एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही 'नैरो-बॉडी' बोइंग 737-8 के 51 विमानों की आपूर्ति मिल चुकी है, जिसे दिसंबर के अंत में शामिल किया गया। जनवरी, 2022 में टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान का ऑर्डर दिया था।

अमागी मीडिया के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का हुआ एलान, 13 जनवरी को लॉन्च होगा कंपनी का पब्लिक इश्यू

नई दिल्ली। मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनी अमागी मीडिया लैब्स के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 343 रुपये से लेकर 361 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,788.62 करोड़ रुपये का है। अमागी मीडिया लैब्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 13 जनवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें 16 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 41 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,801 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,413 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 4,95,46,221 शेयर जारी हो रहे हैं। इसमें 2,26,03,878 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 973 करोड़ रुपये के 2,69,42,343 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

गोयल ने लिकटेंस्टीन की कंपनियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय देश लिकटेंस्टीन की कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करने के साथ भारत-ईएफटीए व्यापार समझौते का लाभ उठाकर अपनी मौजूदगी बढ़ाने का भी आह्वान किया। लिकटेंस्टीन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने यहां की जानी-मानी कंपनियों के लीडर्स के साथ एक बिजनेस राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इंडिया-ईएफटीए टीईपीए केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि ये निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग, स्किल डेवलपमेंट और मजबूत वैल्यू चेन को बढ़ावा देने का एक फ्रेमवर्क है उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने के अवसर, सुधारों की तेज रफ्तार, तेजी से बढ़ता हुआ।

केंद्र ने तमिलनाडु में 235 करोड़ की बंदरगाह परियोजनाएं कीं शुरू, सोनोवाल बोले- समुद्र आधारित विकास को मिलेगी गति

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के दो प्रमुख बंदरगाहों में समुद्री अवसंरचना और डिजिटल प्रशासन से जुड़ी परियोजनाओं के लिए 235 करोड़ रुपये का निवेश शुरू किया है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सरबानंद सोनोवाल ने विकसित भारत, विकसित पोर्ट्स कार्यक्रम में कहा कि यह पहल भारत के समुद्री आधारित विकास, तटीय सुरक्षा और व्यापार सुगमता को नई गति देगी। कार्यक्रम में 129.36 करोड़ रुपये चेन्नई पोर्ट अथारिटी तथा 105.64 करोड़ रुपये कमराजार पोर्ट लिमिटेड के लिए निर्धारित किए गए हैं। चेन्नई पोर्ट में सोनोवाल ने तीन प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। इनमें 850 मीटर तटीय रिवेटमेंट की मरम्मत व सुदृढ़ीकरण (33.28 करोड़ रुपये), तेल गोदी क्षेत्र में अग्निशमन पंप हाउस का निर्माण (43 करोड़ रुपये) जो ओआईएसडी सुरक्षा मानकों के अनुरूप होगा तथा चेन्नई पोर्ट अस्पताल का आधुनिकीकरण (8.08 करोड़ रुपये) शामिल है।

सोनोवाल ने एसएपी आधारित एकीकृत डिजिटल प्रणाली एंटरप्राइज बिजनेस सिस्टम (ईबीएस) का भी उद्घाटन किया, जिस पर 45 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह मंच वित्त, बंदरगाह संचालन, मानव संसाधन, परिसंपत्ति, खरीद और ग्राहक सेवाओं को एकीकृत कर पारदर्शिता एवं दक्षता बढ़ाएगा। कमराजार पोर्ट में सोनोवाल ने उत्तर पश्चिम सीमा पर नई बाउंड्री वाल का भी शिलान्यास किया जिसकी लागत 1.39 करोड़ रुपये है। साथ ही 202 मीटर नार्थर्न ब्रेकवाटर हेड के पुनर्वास व मजबूतीकरण कार्य का उद्घाटन किया गया, जिस पर 105 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। चक्रवात थाने और नीलम से क्षतिग्रस्त इस हिस्से को 3035 नए 25 एमटी टेट्रापाड लगाकर मजबूत किया गया है, जिससे नौवहन सुरक्षा व रसद दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पोर्ट प्रक्रिया के अनुरूप ई पोर्ट क्लियरेंस पोर्टल भी जारी किया, जिससे पोर्ट क्लियरेंस प्रमाणपत्र के लिए आवेदन, निर्गमन और अग्रिम स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी तरह आनलाइन होगी। इससे पोत एजेंट व शिपिंग कंपनियां एक ही लागिन से प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकेंगे और टर्नअराउंड समय घटेगा। सोनोवाल ने रायल मद्रास याट क्लब (आरएमवाईसी) को 18 लाख रुपए का चेक सौंपी, जिसके तहत 20 विद्यार्थियों को नौकायन प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने चेन्नई पोर्ट स्कूल के विद्यार्थियों के कौशल विकास को प्रेरक बताया। उन्होंने तोंडियारपेट स्थित स्वबोधिनी स्कूल और विशेष बच्चों के व्यावसायिक केंद्र का दौरा कर कहा कि समावेशी विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने संस्थान के विशेष शिक्षा, फिजियोथेरेपी, संवेदी उपचार, योग, खेल और व्यावसायिक प्रशिक्षण (प्रिंटिंग, मोमबत्ती, साबुन, कंप्यूटर शिक्षा) मॉडल की समीक्षा की और एक पेड मा के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। कार्यक्रम में डॉ मालिनी वी शंकर (कुलपति, भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय), एस विश्वनाथन (अध्यक्ष, चेन्नई पोर्ट अथारिटी) और जेपी आइरीन सिन्थया (प्रबंध निदेशक, कमराजार पोर्ट लिमिटेड) सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। आयोजन में 450 से अधिक बंदरगाह हितधारक, समुद्री पेशेवर, विश्वविद्यालय विद्यार्थी और अधिकारी शामिल हुए।

बीएचईएल को मिला बीसीजीसीएल परियोजना के लिए कोयला गैसीकरण पैकेज का ऑर्डर

एजेंसी

हरिद्वार। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड (बीसीजीसीएल), जो कि बीएचईएल और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का संयुक्त उद्यम है, से झारसुगुड़ा, ओडिशा में अपनी कोल-टू-2000 टीपीडी अमोनियम नाइट्रेट परियोजना के लिए कोयला गैसीकरण और रॉ सिनगैस क्लीनिंग पैकेज का अनुबंध प्राप्त किया है।

बीएचईएल हरिद्वार के संचार एवं जनसंपर्क प्रमुख संजय पवार ने बताया कि इस अनुबंध के अंतर्गत कोयला गैसीकरण और रॉ सिनगैस क्लीनिंग सुविधाओं की इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण, कमीशनिंग और प्रदर्शन गारंटी शामिल है, जो एकीकृत रासायनिक परिसर की मुख्य प्रक्रिया इकाइयां हैं। कार्य के दायरे में गैसीफायर और संबंधित सहायक उपकरण, स्टीम जनरेशन प्लांट, एयर सेपरेशन यूनिट, कोयला और राख हैंडलिंग सिस्टम और कूलिंग टावर सुविधाएं शामिल हैं। इस परियोजना में बीएचईएल की इन-हाउस विकसित प्रेशराइज्ड फ्लूडाइज्ड बेड गैसीफिकेशन (पीएफबीजी) तकनीक का उपयोग किया जाएगा तथा यह इसका पहला वाणिज्यिक-स्तर का अनुप्रयोग होगा।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : गोपाल कृष्ण अग्रवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा है कि आज दुनिया गंभीर आर्थिक चुनौतियों से गुजर रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बना वैश्विक आर्थिक ढांचा अब कमजोर पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में वही देश आगे बढ़ते हैं, जो इन चुनौतियों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए रखते हैं। इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में भारत का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि पूर्वानुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 7.4 प्रतिशत रहने की संभावना है। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत, चालू वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह साफ दर्शाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निर्माण क्षेत्र, जो रोजगार सृजन के लिए बेहद अहम है, लगभग 7 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। इसी तरह सेवा क्षेत्र, जिसमें भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हुई है, 9.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज कर रहा है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर भी लगातार मजबूती दिखा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान आर्थिक संकेत भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। देश में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) रिकॉर्ड स्तर पर है और जीएसटी संग्रह लगातार बढ़ रहा है। दिसंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.77 लाख करोड़ रुपये रहा। वैश्विक संरक्षणवाद और व्यापार शुल्क जैसी चुनौतियों के बावजूद अप्रैल से सितंबर के बीच भारत का निर्यात 419 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि आम लोगों के लिए महंगाई सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा होता है और इस मोर्चे पर भी स्थिति संतोषजनक है। खाद्य और समग्र महंगाई एक प्रतिशत से नीचे बनी हुई है। इसके साथ ही राजकोषीय घाटा भी नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा प्रत्यक्ष करों में कटौती और मूल कर छूट सीमा बढ़ाने के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर सुधार, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और डिजिटल लेनदेन जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन सुधारों और नीतियों के चलते भारत आने वाले वर्षों में भी तेज गति से आगे बढ़ेगा और दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।

चिराग पासवान ने ग्रेटर नोएडा में इंडसफूड प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि वैश्विक खाद्य एवं पेय पदार्थ (एफएंडबी) सोर्सिंग प्रदर्शनी इंडसफूड 2026 कार्यक्रम भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता को अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से जोड़ने का एक सशक्त मंच है।

पासवान ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड में एशिया के प्रमुख खाद्य और पेय व्यापार शो- इंडसफूड 2026 के 9वें संस्करण के उद्घाटन के मौके पर अपने संबोधन में यह बात कही। इससे पहले उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की।

इंडसफूड का 9वां संस्करण 8-10 जनवरी 2026 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित किया गया है। प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के

प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें हजारों सत्यापित वैश्विक खरीदार और कई उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं। इंडसफूड 2026 में वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए समर्पित मंच भी होंगे, जिनमें डीपी वर्ल्ड द्वारा आयोजित एक विशेष 'भारत मार्ट' सत्र शामिल है।

सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में तेजी से दिल्ली में 4 हजार रुपये तक बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में तेजी जारी है। आज देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में 1,000 रुपये से लेकर 4,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 2,56,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,72,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है।दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में 4,000 रुपये की उछाल आने के कारण आज ये चमकीली धातु 2,57,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,56,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,57,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,57,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,57,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 1,000 रुपये महंगी होकर 2,71,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,000 रुपये मजबूत होकर 2,72,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। आपको बता दें कि पिछले कुछ दिन के दौरान चांदी की कीमत में जबरदस्त उतार चढ़ाव होता रहा है। चेन्नई में ये चमकीली धातु पिछले 28 दिसंबर को 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के अपने शीर्ष स्तर तक पहुंच गई थी। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने पर चांदी 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल भी गई, लेकिन अमेरिका और वेनेजुएला के तनाव के कारण ये चमकीली धातु एक बार अपने शीर्ष स्तर के काफी करीब पहुंच गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि चांदी की कीमत में आई तेजी का दौर अगले कुछ दिन तक जारी रह सकता है।

आय कर से संबंधित पुस्तक इनकम टैक्स प्लीडिंग एंड प्रैक्टिस का विमोचन

एजेंसी

कोलकाता। विख्यात आयकर सलाहकार एडवोकेट नारायण जैन और सीए दिलीप लोयाल्का द्वारा लिखी गई किताब इनकम टैक्स प्लीडिंग एंड प्रैक्टिस का विमोचन किया गया। कोलकाता स्थित आयकर भवन में पश्चिम बंगाल और सिक्किम की मुख्य आयकर आयुक्त सुरभि वर्मा गर्ग ने पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान सहायक लेखक सीए श्रेया लोयाल्का भी मौजूद थीं । नारायण जैन ने बताया कि इस किताब में उन विभिन्न धाराओं का विवरण है जिनके तहत विभाग नोटिस जारी कर सकता है और करदाताओं को वैसे नोटिस का कैसे जवाब देना चाहिए। जैन ने कहा कि नई आयकर अधिनियम, 2025 की संबंधित धाराओं को किताब में शामिल किया गया है। मुख्य आयकर आयुक्त सुरभि वर्मा गर्ग ने लोगों को आयकर अधिनियम, 2025 के प्रावधानों से परिचित कराने के लिए आउटरीच कार्यक्रम की सफलता के लिए जैन और लोयाल्का से सहयोग मांगा। उल्लेखनीय है कि, बुक कॉर्पोरेशन द्वारा प्रकाशित यह किताब पूरे भारत में उपलब्ध है।

गुवाहाटी में राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों का सम्मेलन शुरू

एजेंसी

गुवाहाटी। देश के वस्त्र क्षेत्र के भविष्य को सशक्त दिशा देने के उद्देश्य से दो दिवसीय राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों का सम्मेलन गुवाहाटी में शुरू हुआ। इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वस्त्र मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं और भारत के वस्त्र क्षेत्र के लिए आगामी रोडमैप पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह सम्मेलन 'इंडियाज़ टेक्सटाइल्सः वीविंग ग्रोथ, हेरिटेज एंड इनोवेशन' थीम पर आधारित है। सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच सहकारी संघवाद को मजबूत करते हुए भारत को वस्त्र, परिधान और तकनीकी वस्त्रों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, वस्त्र

राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार वस्त्र क्षेत्र में उत्पादन, निर्यात और सतत विकास के बीच संतुलन बनाकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन विचार-मंथन, नवाचार और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से वस्त्र उद्योग को मजबूत करने के लिए ठोस रोडमैप तैयार करने में सहायक होगा। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वस्त्र मंत्रियों से निवेशक-अनुकूल नीतियां बनाने और राज्य स्तर पर अधिक निवेश आकर्षित करने का आग्रह किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का वस्त्र उद्योग तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और देश के कारीगरों की कलात्मक दक्षताओं को वैश्विक बाजारों तक अधिक पहुंच मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन वस्त्र उद्योग की वृद्धि को तेज़ करने के लिए भविष्य की कार्ययोजना तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वस्त्र राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा ने कहा कि गुवाहाटी में राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन का आयोजन होना गर्व का विषय है, जहां केंद्र और राज्य मिलकर वस्त्र क्षेत्र के लिए साझा रोडमैप तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच संवाद और समन्वय से भारतीय वस्त्र उद्योग की वैश्विक बाजार में मौजूदगी और मजबूत होगी।

सीबीआई ने सिम कार्ड की अवैध बिक्री मामले में वोडाफोन के एरिया मैनेजर को दिल्ली में दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राजधानी दिल्ली में टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन के एरिया सेल्स मैनेजर बीनू विद्याधरन को गिरफ्तार किया है। उन पर दूरसंचार विभाग (डीओटी) के नियमों का उल्लंघन करते हुए लगभग 21 हजार सिम कार्ड फर्जी तरीके से जारी कराकर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराने का आरोप है। दरअसल, इन सिम कार्डों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर फिशिंग संदेश भेजने और साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क चलाने में किया गया है। सीबीआई ने दिसंबर 2025 में एनसीआर और चंडीगढ़ से संचालित एक संगठित फिशिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया था, जो साइबर अपराधियों को बल्क एसएमएस सेवाएं उपलब्ध कराता था। इस

नेटवर्क के जरिए विदेशी अपराधी भी भारतीय नागरिकों को निशाना बना रहे थे। मामले में पहले ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में सामने आया कि बीनू विद्याधरन ने फर्जी व्यक्तियों को लॉर्ड महावीर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कर्मचारी के रूप में दिखाकर उनके दस्तावेज जमा किए और केवाईसी औपचारिकताएं पूरी कीं। यहां तक कि बेंगलुरु में रहने वाले एक परिवार के सदस्यों को भी कंपनी के कर्मचारी के रूप में दिखाया गया। आरोपित के पास से इन व्यक्तियों के आधार कार्ड की प्रतियां बरामद हुईं। एजेंसी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

वेव्स बाज़ार का सृजनात्मक क्षमता निर्माण के लिए वेबिनार कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना प्रसारण की पहल ' वेव्स बाज़ार' उद्योग जगत के नेतृत्व में वेबिनार और मास्टरक्लास की सुनियोजित श्रृंखला शुरू की गयी है। पूरे वर्ष चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के फिल्म, संगीत, एनिमेशन और गेमिंग क्षेत्रों में पेशेवर क्षमता बढ़ाना है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सृजनकारों, स्टूडियो और स्टार्टअप्स को उद्योग जगत के स्थापित पेशेवरों तक सीधी पहुंच प्रदान करना है। इसके तहत व्यावहारिक सामग्री निर्माण के लिए सृजनात्मक कार्यप्रवाह की जानकारी, बौद्धिक संपदा और उससे कमाई करने की रणनीतियों, अपने उत्पाद को वैश्विक बाजार तक पहुंचनों की तैयारी और इसके लिए डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के उपयोग पर ध्यान दिया जाएगा।यह कार्यक्रम ऑनलाइन होगा और इनके सत्रों में प्रश्नोत्तर के विशेष खंड होंगे, जिससे स्वतंत्र पेशेवर और उद्यमी वास्तविक दुनिया के ज्ञान की जानकारी के लिए विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ सकें।

लगातार चौथे दिन कमजोरी के साथ शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाल पूरी तरह से बाजार पर हावी हो गए। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगभग एक प्रतिशत तक लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत और निफ्टी 1.01 प्रतिशत टूट कर बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती हुई नजर आई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब आठ लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 472.11 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 479.94 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 7.83 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,367 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,038 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,159 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,885 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 491 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,394 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 4 शेयर हरे निशान में और 46 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 183.12 अंक की कमजोरी के साथ 84,778.02 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से 187.25 अंक उछल कर 4.13 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ हरे निशान में 84,965.27 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी ही देर बाद बाजार पर पूरी तरह से मंदड़ियों का कब्जा हो गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 851.04 अंक की कमजोरी के साथ 84,110.10 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 70 अंक से अधिक की रिकवरी करके 780.18 अंक की गिरावट के साथ 84,180.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 34.25 अंक टूट कर 26,106.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक उछल कर 26,133.20 अंक तक पहुंचा, लेकिन हरे निशान तक पहुंचने के पहले ही बाजार पर बिकवाल हावी हो गए। बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से निफ्टी की चाल भी गिरती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 282.30 अंक टूट कर 25,858.45 अंक तक पहुंच गया।

ईरान के निर्वासित राजकुमार के आह्वान पर देशभर में खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी

तेहरान (ईरान)। इस्लामी गणराज्य ईरान की सत्ता में सबसे ताकतवर व्यक्ति और सशस्त्र सेनाओं के सेनापति अयातुल्ला अली खामेनेई का गृहनगर मशहद भी अशांति की लपटों से घिर गया है। 28 दिसंबर से जारी देशव्यापी प्रदर्शन के बीच मशहद में खामेनेई के खिलाफ और राजशाही के समर्थन में नारे लगाए गए। सारी रात देशभर में प्रदर्शन के दौरान कई जगह सरकारी इमारतें फूंक दी गईं। देश में इंटरनेट की सेवाएं रोक दी गई हैं। यही नहीं लैंड लाइन फोन सेवा भी बंद कर दी गई है। दुनिया के कई देशों ने ईरान में चल रहे आंदोलन का समर्थन किया है। निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी की आहूत राष्ट्रीय रैली में हिस्सा लेने के लिए लाखों ईरानी नागरिक स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात लगभग आठ बजे देशभर की सड़कों पर उतर आए। ईरान इंटरनेशनल ने देशभर से प्राप्त विभिन्न वीडियो के आधार पर प्रसारित अपनी रिपोर्ट में मौजूदा सूरत-ए-हाल पर विस्तार से चर्चा की है। नेटवर्क मॉनिटरिंग ग्रुप के लाइव नेटवर्क मेट्रिक्स ने दावा किया है कि ईरान में देशव्यापी इंटरनेट ब्लैकआउट हो गया। इस दौरान निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी की आहूत राष्ट्रीय रैली में हिस्सा लेने के लिए लाखों ईरानी नागरिक स्थानीय समयानुसार रात लगभग आठ बजे देशभर की सड़कों पर उतर आए।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर पेरिस में मिले फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से

पेरिस (फ्रांस)। फ्रांस के दौरे पर पहुंचे भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। उन्होंने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से शुभकामनाएं दीं। जयशंकर ने एक्स हैंडल पर यह जानकारी सचित्र साझा की है। डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, ''आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर बहुत खुशी हुई। समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक साझेदारी के लिए उनकी सकारात्मक भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं।'' विदेशमंत्री जयशंकर ने दूसरी पोस्ट में लिखा, ''आज पेरिस में फ्रांस के राजदूतों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने व्यापार, वित्त, तकनीक, ऊर्जा, संसाधन और कनेक्टिविटी से होने वाले मौजूदा वैश्विक बदलावों पर जोर दिया। सोच में बदलाव एक अहम फैक्टर रहा है। साथ ही, बहु-ध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी के महत्व पर भी बात की।''

भारतीय सेना के मिलिट्री इंटेलिजेंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रमन ने लुम्बिनी का दौरा किया

काठमांडू। भारतीय सेना के मिलिट्री इंटेलिजेंस के महानिदेशक (डीजीएमआई) लेफ्टिनेंट जनरल आरएस रमन लुम्बिनी के भ्रमण पर नेपाल पहुंचे। उनका लुम्बिनी विकास कोष के सदस्य सचिव दीपक श्रेष्ठ ने स्वागत किया। लेफ्टिनेंट जनरल रमन ने लुम्बिनी के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने मायादेवी मंदिर, पुष्करिणी सरोवर तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रोपे गए पीपल के वृक्ष का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सदस्य सचिव श्रेष्ठ ने रमन को भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की। सदस्य सचिव ने लुम्बिनी के संरक्षण, पर्यटन विकास, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों एवं उपलब्धियों पर भी चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल रमन ने भी लुम्बिनी के महत्व, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा द्विपक्षीय सहयोग को लेकर अपने विचार साझा किए।

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और केपी शर्मा ओली के बीच तीन घंटे से अधिक हुई बैठक

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच गुरुवार को तीन घंटे से अधिक समय तक वन टूव वन वार्ता हुई। इस बैठक का मुख्य विषय आगामी पांच मार्च को होने वाले चुनाव रहे। ओली सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री के सरकारी आवास बालुवाटार पहुंचे थे। प्रधानमंत्री कार्की के प्रेस सलाहकार राम रावल ने बताया कि शुरुआत में वह प्रधानमंत्री के पति दुर्गा सुबेदी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने आए थे, लेकिन जल्द ही यह मुलाकात दोनों नेताओं के बीच लंबी राजनीतिक बातचीत में बदल गई। रावल के मुताबिक, बातचीत सुबह करीब 11:30 बजे शुरू हुई और दोपहर लगभग 2:30 बजे तक चली। रावल ने बताया कि चर्चा का मुख्य फोकस पांच मार्च को होने वाले चुनाव रहे। रावल ने कहा, 'दोनों नेताओं के बीच तीन घंटे से अधिक समय तक एकांत संवाद हुआ। इस बातचीत से दोनों पक्षों के बीच विश्वास का माहौल बना है।' वार्ता के दौरान ओली ने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी एमाले चुनाव में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करेगी। रावल के अनुसार, 'ओली ने सरकार को भरोसा दिलाया कि एमाले की ओर से चुनाव के दौरान किसी भी तरह का अवरोध या हिंसा नहीं होगी।' उन्होंने यह भी कहा कि ओली ने पार्टी की ओर से चुनाव में भाग लेने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में उतरने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। रावल ने बताया कि बैठक के दौरान ओली ने प्रधानमंत्री कार्की के पति के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली। इसके अलावा, उन्होंने चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई, जिस पर प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार ने सभी आवश्यक प्रबंध कर लिए हैं ।

ऑस्ट्रेलिया में भीषण जंगल की आग का संकट: हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के आदेश, तीन लोग लापता

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पूर्वी राज्य विक्टोरिया में भीषण जंगल की आग का संकट बरकरार है। इस कारण हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाने का आदेश दिया गया है। इस दौरान तीन लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन के अनुसार शुक्रवार तक विक्टोरिया में करीब 30 जगहों पर जंगल की आग सक्रिय है। मौसम की स्थिति बहुत खराब है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा है और तेज हवाएं चल रही हैं। इन्हीं कारणों से आग कभी भी दिशा बदल सकती है, उसे काबू में करना मुश्किल है और वह तेजी से फैल सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, विक्टोरिया पुलिस के डिप्टी कमिश्नर बॉब हिल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तीन लोग अब तक नहीं मिल पाए हैं। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपातकालीन सेवाओं के अधिकारी और राज्य की प्रीमियर जैसिंटा एलन

भी मौजूद थीं। बॉब हिल ने बताया कि कंट्री फायर अथॉरिटी ने मध्य विक्टोरिया में रहने वाले दो वयस्कों और एक बच्चे को तुरंत घर छोड़ने की सलाह दी थी, क्योंकि पास की आग से उनकी जान को बड़ा खतरा था। बाद में जब अधिकारी उसी जगह दोबारा पहुंचे तो वहां का मकान पूरी तरह जल चुका था। इन तीनों लोगों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। मेलबर्न से 105 किमी उत्तर-पूर्व में सेंट्रल विक्टोरियन शहर रफी में कई घरों के नष्ट होने की पुष्टि हुई है और पड़ोसी शहरों के साथ-साथ राज्य के सुदूर उत्तर-पूर्व के शहरों के निवासियों को भी घर खाली करने के लिए कहा गया है। राज्य के चार क्षेत्रों में आग के खतरे को सबसे गंभीर स्तर का घोषित किया गया है। साल 2019 के बाद यह पहली बार है जब एक ही दिन में विक्टोरिया के कई इलाकों में इतना बड़ा खतरा दर्ज किया गया है। जैसिंटा एलन ने कहा कि शुक्रवार विक्टोरिया के लिए पिछले कई वर्षों में सबसे खतरनाक आग वाले दिनों में से एक हो सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिन्हें इलाका खाली करने का आदेश मिला है, वे बिना देरी किए तुरंत निकल जाएं। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में आग लगी हुई है और हालात पहले से ही बेहद खतरनाक हैं। मैं इससे ज्यादा स्पष्ट नहीं कह सकती हूं। इसलिए, अगर किसी इलाके को छोड़ने के लिए कहा गया है, तो वहां रुकना जानलेवा हो सकता है। आपको तुरंत निकल जाना चाहिए। कंट्री फायर अथॉरिटी के मुख्य अग्निशमन अधिकारी जेसन हेफरनन ने बताया कि शुक्रवार को उत्तरी विक्टोरिया में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। साथ ही दोपहर के समय मध्य इलाकों में बिजली गिरने की आशंका है, जिससे आग और फैल सकती है।

ढाका विवि के शेख मुजीबुर रहमान हॉल और शेख फजिलातुन्नेसा हॉल का नाम बदलेगा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के ढाका विश्वविद्यालय के नीति-निर्धारक सिंडिकेट ने शेख मुजीबुर रहमान हॉल और शेख फजिलातुन्नेसा हॉल का नाम बदलकर क्रमशः शहीद उस्मान हादी हॉल और कैप्टन सितारा परवीन हॉल करने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर सैफुद्दीन अहमद ने इसकी पुष्टि की। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार अहमद ने कहा कि सिंडिकेट ने नाम बदलने का प्रस्ताव सीनेट के पास भेज दिया है। सीनेट ही आखिरी फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि यह फैसला हुई सिंडिकेट की बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नियाज

अहमद खान ने की। उन्होंने कहा कि सिंडिकेट ने बैठक में अवामी लीग से संबद्ध प्रोफेसर जीनत हुडा, प्रोफेसर एकेएम जमाल उद्दीन, प्रोफेसर सादेका हलीम और प्रोफेसर मशियूर रहमान को बर्खास्त करने का फैसला किया है। चारों के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं। चारों शिक्षक नेताओं को कारण बताओ नोटिस भेजकर हफ्ते भर के भीतर जवाब देने को कहा गया है।

वेनेजुएला में हालात और तेल क्षेत्र के पुनर्निर्माण पर अमेरिका का फोकस, इसके बाद ही होंगे चुनाव : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पहले वेनेजुएला के हालात को संभालेगा और उसके तेल क्षेत्र को फिर से खड़ा करेगा। इसके बाद ही वहां चुनाव कराए जा सकेंगे। उनका कहना है कि निकोलस मादुरो के लंबे शासन में देश पूरी तरह टूट चुका है और अभी चुनाव कराना संभव नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह बातें फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम हैनिटी में दिए साक्षात्कार में कहीं। मादुरो को पकड़ने वाली अमेरिकी कार्रवाई के बाद यह उनका पहला टीवी इंटरव्यू था। ट्रंप ने कहा कि मादुरो के खिलाफ कदम उठाना मुश्किल फैसला नहीं था। उन्होंने कहा, 'यह कोई मुश्किल फैसला नहीं था। डेमोक्रेट्स भी उसे चाहते थे और रिपब्लिकन भी, और किसी के पास उसे पकड़ने की हिम्मत नहीं थी।'

ट्रंप ने मादुरो पर आरोप लगाया कि उसने अपराधियों और नशीले पदार्थों को अमेरिका भेजा। उनका कहना था कि मादुरो ने अपने देश की जेलों और मानसिक अस्पतालों, पागलखानों से लोगों को अमेरिका की ओर भेज दिया।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी कार्रवाई के बाद समुद्र के रास्ते आने वाले नशे की तस्करी में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा, 'हमने पानी के रास्ते आने वाली 97 प्रतिशत ड्रग्स को खत्म कर दिया है।'

ट्रंप के अनुसार, वेनेजुएला में की गई कार्रवाई में अमेरिका का कोई सैनिक नहीं मारा गया। मादुरो को बिना किसी बड़ी हानि के पकड़ लिया गया। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि दो 'बहादुर' हेलीकॉप्टर पायलट गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन अब वे ठीक हैं। ट्रंप ने इस ऑपरेशन को बहुत जोखिम भरा बताया। उन्होंने कहा, 'घर एक किले के बीच में था, जिसमें हजारों सैनिक थे। हम सीधे किले के बीच में गए। कौन सोचेगा कि आप ऐसा कर सकते हैं और किसी की जान नहीं जाएगी?' उन्होंने इस पूरे अभियान में शामिल अमेरिकी अधिकारियों और सैन्य कमांडरों की तारीफ की और कहा कि सभी ने शानदार काम किया।

ट्रंप ने कहा कि अब वेनेजुएला के तेल क्षेत्र की जिम्मेदारी अमेरिका के पास है। अमेरिका वहां तेल उद्योग और उससे जुड़ी पूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को दोबारा बनाएगा। उन्होंने दावा किया कि एक ही दिन में चार अरब डॉलर मूल्य का तेल अमेरिकी नियंत्रण में लिया गया है और आगे यह आंकड़ा और बढ़ेगा। अमेरिका की बड़ी तेल कंपनियां वेनेजुएला के ऊर्जा तंत्र को फिर से बनाने में मदद करेंगी और पूरा तेल ढांचा नया खड़ा किया जाएगा।

चुनाव को लेकर ट्रंप ने कहा कि अभी वेनेजुएला चुनाव कराने की हालत में नहीं है। देश की स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि वहां बंद राजनीतिक कैदियों को रिहा किया जा रहा है और ऐसे लोग आजाद हो रहे हैं, जिन्हें कोई दोबारा देखने की उम्मीद नहीं करता था।

मिनियापोलिस शूटआउट कवरेज पर वेंस ने अमेरिकी मीडिया को लगाई लताड़

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस में हुए एक घातक गोलीकांड की खबरों को लेकर कई समाचार संस्थानों पर कड़ी नाराजगी जताई। यह मामला इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट अधिकारी से जुड़ा है। वेंस ने मीडिया की रिपोर्टिंग को 'पूरी तरह शर्मनाक' बताया और कहा कि ऐसी खबरें हर दिन हमारे कानून प्रवर्तन अधिकारियों की जान खतरे में डालती हैं। वेंस ने बताया कि उन्हें सीएनएन की एक हेडलाइन की तस्वीर दिखाई गई, जिसे उन्होंने जोर से पढ़ाः 'मिनियापोलिस में आईसीई अधिकारी द्वारा अमेरिकी नागरिक की हत्या के बाद आक्रोश।' इसे पढ़ने के बाद उन्होंने कहा, 'इसे कहने का यह भी एक तरीका हो सकता है,' लेकिन साथ ही यह आरोप लगाया कि इस हेडलाइन में कई ज़रूरी बातें नहीं बताई गईं। वेंस ने कहा, 'यह संघीय कानून लागू करने वाले अधिकारियों पर हमला था। यह कानून और व्यवस्था पर हमला था। यह अमेरिकी जनता पर हमला था।' उन्होंने साफ़ किया कि वह 'हमला' शब्द जानबूझकर इस्तेमाल कर रहे हैं और 'कॉर्पोरेट मीडिया में कई लोगों' पर आरोप लगाया कि उन्होंने जो हुआ उसे गलत तरीके से पेश किया।

उन्होंने कहा कि हेडलाइन यह नहीं बताती कि वही आईसीई अधिकारी छह महीने पहले एक कार से घसीटा गया था और उसकी टांग में 33 टांके आए थे। वेंस ने कहा, 'तो क्या आपको नहीं लगता कि अगर कोई फिर से कार से उसे टक्कर मारने की कोशिश करे, तो वह ज्यादा सतर्क हो जाएगा?' वेंस ने यह भी दावा किया कि जिस महिला की मौत हुई, वह एक कानूनी कार्रवाई में दखल दे रही थी। उन्होंने कहा, 'हेडलाइन यह नहीं बताती कि वह महिला अमेरिका में एक वैध कानून प्रवर्तन अभियान में बाधा डालने के लिए वहां मौजूद थी।' एक सवाल के जवाब में, जब उनसे कहा गया कि जांच अभी चल रही है, तो वेंस ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा, 'माफ कीजिए, यह क्या हो रहा है? आप लोगों का काम सच्चाई बताना है। आपने खुद को कट्टरपंथी प्रचार का माध्यम कैसे बना लिया, जो हमारे लिए कानून लागू करना और मुश्किल बना रहा है?'

जब उनसे पूछा गया कि वीडियो देखने के बाद क्या उन्हें कोई संदेह है, तो वेंस ने कहा, 'मैं यह नहीं जानता कि किसी के दिल या दिमाग में क्या था। मुझे इतना पक्का पता है कि उसने कानून तोड़ा था और उस अधिकारी के पास यह सोचने का हर कारण था कि उसे चोट लगने या, असल में, उसकी जान को बहुत गंभीर खतरा था।' वेंस ने इरादे पर बहस और गलत कहानी फैलाने के बीच फर्क किया। उन्होंने कहा, 'अगर लोग यह चर्चा करना चाहते हैं कि वह वास्तव में क्या कर रही थी, तो यह एक ठीक बातचीत है।

राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर हमले का यूक्रेन को दिया जवाब, दागी 'ओरेशनिक' हाइपरसोनिक मिसाइल: रूस

एजेंसी

मास्को । रूस ने दावा किया है कि उसने राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर कीव की ओर से किए गए ड्रोन हमले का जवाब ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल के जरिए दे दिया है। इंटरमीडिएट-रेंज ओरेशनिक एक ऐसी मिसाइल है जिसके बारे में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि इसे इंटरसेप्ट करना नामुमकिन है क्योंकि इसकी कथित वेलोसिटी आवाज की स्पीड से 10 गुना अधिक है। यह मिसाइल न्यूक्लियर वॉरहेड ले जाने में सक्षम है, हालांकि ऐसा कोई संकेत नहीं था कि रात भर के हमले में इस्तेमाल की गई मिसाइल में वे लगे थे।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमले में यूक्रेन में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया था। रूस ने अटैक ड्रोन और लंबी दूरी के जमीन और समुद्र से मार करने वाले हथियारों का भी इस्तेमाल किया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'रात टारगेट हिट किए गए।' कथित तौर पर

ये टारगेट वो ड्रोन फैसिलिटी थी जहां के बने ड्रोन ने पुतिन के आवास को निशाना बनाया था। स्थानीय मीडिया ने भी टारगेट अटैक की जानकारी दी है। हमले का वीडियो जारी किया गया जिसमें कथित तौर पर वह पल दिखाया गया है जब ओरेशनिक ने पश्चिमी यूक्रेन में अपने टारगेट पर हमला किया। बर्फ से ढके लैंडस्केप पर फिल्माए गए इस वीडियो में, ऐसा लग रहा था कि छह फ्लैश जमीन पर गिर रहे थे, जिसके बाद एक जोरदार धमाका हुआ, इसके बाद एक के बाद एक कई धमाके हुए। ओरेशनिक नाम को लेकर काफी जिज्ञासा है, क्योंकि यह पारंपरिक हथियारों से अलग श्रेणी में रखा जा रहा है। आसान भाषा में समझें तो ओरेशनिक रूस की नई पीढ़ी की लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता से जुड़ा सिस्टम माना जा रहा है, जिसे खास तौर पर रणनीतिक दबाव बनाने और दुश्मन की गहरी सैन्य संरचनाओं को निशाना बनाने के लिए विकसित किया गया है। रूसी सैन्य शब्दावली में 'ओरेशनिक' का अर्थ 'हेजल ट्री' से जुड़ा माना जाता है, लेकिन हथियारों के नाम अक्सर प्रतीकात्मक होते हैं। असल मायने इसकी तकनीकी क्षमता से है। उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, ओरेशनिक को ऐसे प्लेटफॉर्म के रूप में देखा जा रहा है जो तेज गति, लंबी रेंज और सटीकता को एक साथ जोड़ता है। इसे पारंपरिक या विशेष वारहेड के साथ इस्तेमाल किए जाने की संभावना बताई जाती है, हालांकि इसकी पूरी तकनीकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ओरेशनिक जैसे सिस्टम का मकसद सिर्फ हमला करना नहीं, बल्कि डिटरेंस (निरोधक प्रभाव) पैदा करना होता है। यानी दुश्मन यह समझे कि रूस के पास ऐसी क्षमता है जो उसके एयर डिफेंस और रणनीतिक ठिकानों को चुनौती दे सकती है। यही वजह है कि ऐसे हथियारों के परीक्षण या उपयोग की खबरें राजनीतिक और सैन्य संदेश के रूप में भी देखी जाती हैं।

अमेरिका के पांच राज्यों ने सोशल सर्विस फंडिंग फ्रीज करने के लिए ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा किया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पांच डेमोक्रेटिक शासित राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। यह मुकदमा प्रशासन के कई जनहित की सामाजिक योजनाओं के लिए धन फ्रीज करने के दावे के बाद किया गया है। प्रशासन ने कम आय वाले परिवारों की मदद के लिए बनाए गए प्रोग्राम में धोखाधड़ी की चिंताओं का हवाला दिया है। यह पांच राज्य हैं- कैलिफोर्निया, कोलोराडो, मिनेसोटा, इलिनोइस और न्यूयॉर्क। पांचों ने इस कदम को सत्ता का असंवैधानिक दुरुपयोग बताया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते की शुरुआत में घोषणा की थी कि वह उनकी सोशल सेफ्टी नेट फंडिंग रोक रहा है। यह फंडिंग तीन संघीय कार्यक्रमों के लिए थी, जिनमें से दो बच्चों वाले परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स इस मुकदमे का नेतृत्व कर रही हैं। जेम्स ने कहा कि ट्रंप प्रशासन कांग्रेस के माध्यम से राज्यों के लिए पहले से मंजूर अरबों डॉलर की फंडिंग को फ्रीज करके अपने अधिकार क्षेत्र से उल्लंघन कर रहा है। यह मुकदमा न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला अदालत में दायर किया गया है। मुकदमे में प्रशासन को फ्रीज रोकने और फंड जारी करने का आदेश देने के लिए कहा गया है। जेम्स ने कहा, एक बार फिर, हमारे समुदायों के सबसे कमजोर परिवार इस प्रशासन के अराजकता और बदले की भावना के अभियान का खामियाजा भुगत रहे हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग ने इस हफ्ते पांच राज्यों को बताया था कि वह चाइल्ड केयर एंड डेवलपमेंट फंड के लिए उनके पैसे फ्रीज कर रहा है।

एक और बलूच युवक गायब, मानवाधिकार संगठन का दावा- पाकिस्तानी सेना की करतूत

एजेंसी

क्वेटा । बलूचिस्तान में आम लोगों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के बीच, एक बड़े मानवाधिकार संगठन ने बलूच युवक को जबरन गायब करने की घटना का दावा किया है। संगठन का आरोप है कि लापता युवक को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गायब किया था। इस घटना की निंदा करते हुए, बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, पांक ने बताया कि उमर बलूच को प्रांत के केच जिले के मंड कोह इलाके में उनके घर से जबरदस्ती उठाया गया था। स्थानीय सूत्रों का हवाला देते हुए, मानवाधिकार संस्था ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के जवानों का इसमें पूरा हाथ है। वे देर रात उमर को उसके घर से बिना कोई वारंट दिखाए उठा ले गए। उन्होंने युवक के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पांक ने उमर के ठिकाने का तुरंत खुलासा करने, उनकी बिना शर्त रिहाई और उन्हें एक अदालत के सामने तुरंत पेश करने की मांग उठाई है। पांक ने कहा, 'हम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से इस मामले पर ध्यान देने और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी मानकों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने का आग्रह करते हैं।' इससे पहले , एक और मानवाधिकार संस्था, बलूच वॉयस फॉर जस्टिस (बीवीजे) ने बलूचिस्तान और दूसरे इलाकों में जबरदस्ती गायब करने की बढ़ती घटनाओं की कड़ी आलोचना की। इसमें कहा गया, 'ये काम ह्यूमन राइट्स का गंभीर उल्लंघन हैं और बलूच लोगों को दबाने की एक व्यवस्थित नीति का हिस्सा लगते हैं।'

हाल ही में बलूचिस्तान के पांच लोगों को गायब करने की घटना का उल्लेख करते हुए संगठन ने दावा किया था कि ये पाकिस्तानी सेना की करतूत थी। उन्होंने कहा कि ये मानवाधिकार उल्लंघन का गंभीर मामला है जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। बीवीजे ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, मानवाधिकार संगठनों और पाकिस्तानी कोर्ट से अपील की कि वे इन घटनाओं पर ध्यान दें, जिम्मेदारी तय करें और सभी लापता लोगों की तुरंत रिहाई पक्की करें। पांक ने बुधवार को पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स द्वारा अवारन जिले के रहने वाले एक और बलूच 'जरीफ बलूच' की बिना कानूनी कार्रवाई के हत्या की भी निंदा की। राइट्स बॉडी ने कहा कि जरीफ का गोलियों से छलनी शव 6 जनवरी को अवारन के नोंडारा इलाके से मिला था, वह तीन महीने से अधिक समय तक लापता रहा था। पांक के मुताबिक, अवारन के मलार इलाके के सियाकल के रहने वाले जरीफ को 29 सितंबर, 2025 को जबरदस्ती गायब कर दिया गया था। तब पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स ने कथित तौर पर उसके घर पर छापा मारा था। मानवाधिकार संस्था ने इस गंभीर अपराध के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को जिम्मेदार ठहराया और इसे बलूचिस्तान में जबरदस्ती गायब करने और कस्टोडियल किलिंग के चल रहे पैटर्न का हिस्सा बताया।

नेपाल में अब मां के नाम से मिल सकेगी नागरिकता, सरकार ने लागू किया प्रावधान

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार की नागरिकता नियमावली, 2006 के चौथे संशोधन को मंजूरी मिलने के बाद राजपत्र में प्रकाशित कर दिया गया है। इसलिए अब पिता की पहचान अज्ञात होने की स्थिति में मां के नाम से नेपाली नागरिकता मिलने का कानूनी प्रावधान औपचारिक रूप से लागू हो गया है। संशोधित नियमावली को मंत्रिपरिषद ने पिछले साल 25 दिसंबर को स्वीकृति दी थी। इसे 5 जनवरी को नेपाल राजपत्र में प्रकाशित किया गया। इसके साथ ही यह प्रावधान प्रभाव में आ गया है। गृह मंत्रालय ने देश के सभी 77 जिला प्रशासन कार्यालयों को नई व्यवस्था लागू करने के लिए परिपत्र भी जारी कर दिया है। यह संशोधन नेपाल नागरिकता (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2025 को व्यवहार में लागू करने के लिए किया गया है, जिसे 21 सितंबर, 2025 को राष्ट्रपति ने मंजूरी दी थी। उक्त अधिनियम में मां के नाम से नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार नियमावली में संशोधन इसलिए किया गया, ताकि कानून की व्यवस्थाएं व्यवहार में भी लागू हो सकें। नई व्यवस्था के तहत यदि पिता या माता में से किसी एक ने जन्म के आधार पर नेपाली नागरिकता प्राप्त की हो और दूसरा अभिभावक नागरिकता प्राप्त करने से पहले मृत्यु को प्राप्त हो गया हो या लापता हो, तो निर्धारित प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज पूरे करने पर संतान को अंगीकृत नेपाली नागरिकता दी जा सकेगी। सरकार के अनुसार इस संशोधन का उद्देश्य सेवाओं की आपूर्ति को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। गृह मंत्रालय का कहना है कि यह संशोधन नागरिकता प्राप्त करने में नागरिकों को लंबे समय से आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए किया गया है। इसी तरह, नेपाली मां से विदेश में जन्मे ऐसे व्यक्ति, जिन्होंने विदेशी नागरिकता या पासपोर्ट प्राप्त नहीं किया है, जिनके पिता की पहचान स्थापित नहीं हो पा रही है और जो स्थायी रूप से नेपाल में रह रहे हैं, उन्हें भी अंगीकृत नागरिकता प्रदान की जा सकेगी। ऐसे मामलों में अब मुख्य जिला अधिकारी को आवश्यक जांच करने और प्राकृतिकीकृत नेपाली नागरिकता जारी करने का अधिकार दिया गया है।

भारतीय अभिनेता संजय दत्त नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। भारतीय अभिनेता संजय दत्त देरशाम विशेष विमान से नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में

प्रशंसक और नेपाली फिल्म जगत से जुड़े कलाकार मौजूद रहे। संजय दत्त नेपाल में एक बहुप्रतीक्षित हिंदी-नेपाली फिल्म परियोजना तथा एक निजी व्यावसायिक कार्यक्रम में भाग लेने काठमांडू आए हैं। काठमांडू के दरबार मार्ग स्थित पांच सितारा होटल बाराही में नवनिर्मित बादशाह कैसिनो का शुक्रवार को उदघाटन करने का कार्यक्रम है। उनकी टीम ने बताया कि वे यहां दो दिन तक रहेंगे। हवाई अड्डे पर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में संजय दत्त ने कहा कि उन्हें नेपाल आकर हमेशा विशेष खुशी महसूस होती है। उन्होंने नेपाली दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नेपाल से उनका भावनात्मक जुड़ाव रहा है और वे भविष्य में नेपाली फिल्म उद्योग के साथ भी काम करना चाहते हैं। फिल्म उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि संजय दत्त की यह यात्रा नेपाल और भारत के फिल्म उद्योग के बीच सहयोग को और मजबूत कर सकती है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने चीन पर कड़े सुरक्षा प्रतिबंधों को दी मंजूरी

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने एक फंडिंग बिल पास किया है, जिसके जरिए चीन से जुड़े मामलों में सख्ती बढ़ाई गई है। इस कानून का मकसद निर्यात पर कड़ा नियंत्रण, व्यापार नियमों का कड़ाई से पालन, सरकारी स्तर पर तकनीक की खरीद पर रोक और चीन के साथ सहयोग को सीमित करना है। इस विधेयक के तहत निर्यात नियंत्रण नियमों को लागू करने के लिए अधिक धन दिया गया है। चीन से जुड़े व्यापार मामलों को आगे बढ़ाने के लिए अलग से पैसा रखा गया है। साथ ही, बिना सुरक्षा जांच के कुछ सरकारी सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों की खरीद पर रोक लगाई गई है। विज्ञान और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अमेरिका और चीन के बीच सहयोग को भी सीमित किया गया है। इस कानून में यह भी तय किया गया है कि चीन की आधिकारिक यात्रा करने वाले सरकारी अधिकारियों की जानकारी अब नियमित रूप से कांग्रेस को देनी होगी। इसके अलावा, ऊर्जा और परमाणु सुरक्षा से जुड़े कुछ नए नियम भी शामिल किए गए हैं। यह बिल ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी के लिए 44 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी देता है, जिससे इसकी कुल फंडिंग 235 मिलियन डॉलर हो जाती है। अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर नजर रखने वाली प्रतिनिधि सभा की समिति का कहना है कि यह अतिरिक्त धन संवेदनशील अमेरिकी तकनीक को चीन तक पहुंचने से रोकने में मदद करेगा। यह चीन से संबंधित एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी एनफोर्समेंट के लिए 16.4 मिलियन डॉलर भी आवंटित करता है। समर्थकों का कहना है कि यह फंडिंग अमेरिकी वर्कर्स और मैन्युफैक्चरर्स को गलत ट्रेड तरीकों से बचाने के लिए है। यह कानून सरकारी एजेंसियों पर तकनीक खरीदने के मामले में भी पाबंदी लगाता है। वाणिज्य विभाग, न्याय विभाग, नासा और राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन जैसी संस्थाएं तब तक नई सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियां नहीं खरीद पाएंगी, जब तक सप्लाई चेन और साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे की पूरी जांच न हो जाए। इन जांचों में खास तौर पर चीन जैसे विदेशी विरोधियों की भूमिका देखी जाएगी।

अमेरिका और चीन के बीच सहयोग पर रोक भी इस विधेयक का अहम हिस्सा है। इसके तहत नासा और ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी को चीन या चीनी स्वामित्व वाली कंपनियों के साथ द्विपक्षीय सहयोग या समझौतों में शामिल होने से रोका जाता है। इसके लिए पहले कांग्रेस की साफ अनुमति लेनी होगी। सरकारी यात्राओं पर निगरानी भी बढ़ाई गई है। वाणिज्य विभाग, नासा और राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन को हर तीन महीने में कांग्रेस को यह बताना होगा कि उनके कर्मचारी चीन क्यों गए और यात्रा का उद्देश्य क्या था। ऊर्जा और परमाणु सुरक्षा से जुड़े नियम भी इसमें शामिल हैं। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से कच्चा तेल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को बेचने पर रोक लगाई गई है। यह कानून चीन और रूस के नागरिकों को अमेरिकी परमाणु हथियार उत्पादन केंद्रों तक पहुंचने से भी रोकता है और ऊर्जा विभाग को किसी भी विदेशी संस्था को वित्तीय सहायता प्रदान करने से रोकता है। यह पूरा खर्च पैकेज वाणिज्य, न्याय और आंतरिक मामलों के विभागों पर लागू होगा। इसके अलावा नासा, आर्मी कोर ऑफ इंजीनियर्स और पर्यावरण संरक्षण एजेंसी जैसी संस्थाओं को भी इससे धन मिलेगा। चीन से जुड़े इन प्रावधानों का समर्थन प्रतिनिधि सभा की सेलेक्ट कमेटी के चेयरमैन जॉन मूलनार ने किया है। जॉन मूलनार ने कहा, 'चीन ने दशकों तक अपनी सत्तावादी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका की खुली नीतियों का फायदा उठाया है यह कानून एक्सपोर्ट कंट्रोल को लागू करने और चीनी व्यापार में होने वाली गड़बड़ियों पर रोक लगाने और अमेरिकी करदाताओं के पैसे, तकनीक और ऊर्जा संसाधनों को सुरक्षित रखने की दिशा में एक बड़ा कदम है।'

page 1 and 8 jan 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/10/2026 12:41 AM Page 2

भाषाई विविधता ने भारत की साझा सभ्यता और धर्म को सुदृढ़ किया : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 09 जनवरी । उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि भारत की भाषाई विविधता ने देश की साझा सभ्यतागत चेतना और धर्म की रक्षा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की भाषाओं ने कभी देश को विभाजित नहीं किया बल्कि सदैव राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ किया है। उपराष्ट्रपति शुक्रवार को यहां तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने भाषा को सभ्यता की अंतरात्मा बताते हुए कहा कि भाषाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी सामूहिक स्मृति, ज्ञान परंपराओं और मूल्यों को संजोए रखती हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन शिलालेखों और ताड़पत्र पांडुलिपियों से लेकर आज के डिजिटल युग तक, भारतीय भाषाओं ने दर्शन, विज्ञान, काव्य और नैतिक परंपराओं को संरक्षित किया है। हाल ही में चेन्नई में सिद्ध दिवस समारोह में ताड़पत्र पांडुलिपियों को देखने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये भारत की बहुभाषी और समृद्ध ज्ञान परंपरा की जीवंत साक्षी हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की प्रत्येक भाषा ने दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान, शासन और अध्यात्म के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने रेखांकित किया कि संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की प्राचीन बुद्धिमत्ता को प्रतिबिंबित करती है, जहां भाषाई विविधता को सम्मान देते हुए यह माना गया है कि राष्ट्रीय एकता समानता से नहीं, बल्कि परस्पर सम्मान से सुदृढ़ होती है। लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है, जब प्रत्येक नागरिक अपनी मातृभाषा में अभिव्यक्ति कर सके।

राज्यसभा के सभापति के रूप में अपने पहले संसदीय सत्र का अनुभव साझा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब संसद में अधिक संख्या में सांसद अपनी मातृभाषाओं में बोल रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा संविधान के संथाली भाषा में अनुवाद का विमोचन किए जाने को भाषाई समावेशन और लोकतांत्रिक सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वभर में अनेक स्वदेशी भाषाएं संकटग्रस्त हैं। ऐसे में भाषा सम्मेलनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जो शोध, अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सहयोग और प्राचीन लिपियों व पांडुलिपियों के संरक्षण में सहायक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सराहना की, जो बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देती है, तथा ज्ञान भारतम् मिशन को भारतीय भाषाओं की पांडुलिपियों के संरक्षण और प्रसार का सशक्त माध्यम बताया।

उपराष्ट्रपति ने तकनीक को भाषा संरक्षण का सहयोगी बनाने का आह्वान करते हुए डिजिटल अभिलेखागार, एआई आधारित अनुवाद उपकरणों और बहुभाषी मंचों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाषाओं के संरक्षण से भारत अपनी सभ्यता की रक्षा करता है, भाषाई विविधता के पोषण से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है और प्रत्येक भाषा के सम्मान से मानव गरिमा की रक्षा होती है।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष एवं प्रख्यात चिंतक पद्म भूषण रामबहादुर राय ने की। अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन भारतीय भाषाओं पर नए सिरे से विचार और कार्य करने का अवसर है। उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि भारतीय भाषाएं अलग-अलग परिवारों में बंटी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भ्रमित साहित्यकारों और भाषाविदों ने ये बात फैलाई कि भारतीय भाषाएं चार परिवारों में बंटी हुई हैं, लेकिन आज ये साबित हो गया है कि सभी भारतीय भाषाएं एक ही परिवार की हैं। भाषाओं के बीच संवाद बढ़ने से भाषाई और सांस्कृतिक एकता की तरंग उत्पन्न होगी।

सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि जापान के वरिष्ठ भाषाविद पद्मश्री तोमियो मिज़ोकामि ने हिन्दी में संबोधन करते हुए कहा कि लोग कहते हैं कि वे भारतीय हैं, जो संयोगवश जापान में जन्मे हैं।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद के महासचिव श्याम परांडे सहित देश-विदेश से आए विद्वान, शिक्षाविद, भाषाविद, शोधकर्ता और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निजी कंटेंट निर्माताओं को प्रसार भारती देगा 90% राजस्व

नई दिल्ली, 09 जनवरी (हि.स.)। सरकार ने निजी कंटेंट निर्माताओं को दूरदर्शन, आकाशवाणी और वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी डिजिटल रचनाओं के प्रसारण करने तथा उससे अर्जित होने वाले राजस्व में से 90 फीसदी निर्माताओं को देने का प्रस्ताव किया है।

रेल, सूचना प्रसारण, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार यहां प्रसार भारती के प्लेटफॉर्म्स के लिए क्रिएटर्स कॉर्नर के शुभारंभ के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। इस अवसर पर सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री एल मुरुगन, सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू और प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी भी उपस्थित थे।

वैष्णव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रसार भारती के प्लेटफॉर्म्स के लिए कंटेंट के चयन को लेकर एक टीम बनाई जाएगी जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी लोग शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि हमने राजस्व साझा करने वाला एक अनोखा मॉडल तैयार किया है। दूरदर्शन, आकाशवाणी और वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी डिजिटल रचनाओं के प्रसारण से जितना राजस्व आएगा, उसका लगभग 90 फीसदी निर्माताओं को दिया जाएगा जबकि केवल 10 फीसदी ही प्रसार भारती लेगी। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी टेलीविजन चैनल पर कंटेंट निर्माताओं को उनकी डिजिटल रचनाओं के प्रसारण का मौका

मिलेगा। इससे लगभग आठ करोड़ कंटेंट निर्माताओं के लिए संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

वैष्णव ने कहा कि इस समय वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 250 से अधिक टीवी और एफएम रेडियो चैनल उपलब्?ध हैं। उन्होंने कहा कि उनका विचार है कि टेलीविजन विनिर्माताओं से अनुरोध किया जाए कि वे अपने अपने टीवी सेट्स में वेव्स ओटीटी इनबिल्ट करके बाजार में लाएं। वैष्णव ने कहा कि क्रिएटर्स कॉर्नर को लेकर विज्ञापन कंपनियों से भी बात हो गई है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि कंटेंट क्रिएटर्स को निष्पक्ष मौका और समुचित राजस्व अवश्य मिलना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किसी विचारधारा को प्रोत्साहित करने और किसी को हतोत्साहित करने की प्रवृत्ति पर उन्होंने नाखुशी जताई और स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई एक्स, फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे भारतीय प्लेटफॉर्म आते हैं तो वह उन्हें पूरा समर्थन देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने क्रिएटर्स कॉर्नर की जानकारी देते हुए कहा कि डिजिटल सामग्री निर्माताओं को पहचानने और बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रसार भारती ने क्रिएटर कॉर्नर लॉन्च किया है जो डीडी न्यूज पर देशभर के डिजिटल रचनाकारों द्वारा बनाई गई सामग्री को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित मंच होगा। इस पहल का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री के निर्माण को प्रोत्साहित करके और प्रसार भारती और व्यक्तिगत सामग्री निर्माताओं के बीच साझीदारी के माध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार करके डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि क्रिएटर कॉर्नर में समाचार और वर्तमान मामलों, संस्कृति, यात्रा, भोजन, कला और साहित्य, संगीत और नृत्य, स्वास्थ्य और कल्याण, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रेरक कहानियां, पर्यावरण और सतत विकास और मनोरंजन सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर सामग्री होगी।

प्रसार भारती के अधिकारियों के अनुसार कार्यक्रम का प्रसारण सोमवार से शुक्रवार तक डीडी न्यूज पर शाम 7:00 बजे किया जाएगा, जिसमें अगले दिन सुबह 9:30 बजे दोहराया जाएगा। प्रत्येक एपिसोड में चार से छह रील या वीडियो होंगे जो विविध विषयों को कवर करेंगे। यह पहल एक पारस्परिक रूप से लाभकारी साझीदारी होगी जो डिजिटल रचनाकारों को एक विश्वसनीय मंच और प्रसार भारती/डी न्यूज की व्यापक पहुंच प्रदान करेगी। इससे उनके काम को प्रदर्शित किया जा सके, जबकि प्रसार भारती अभिनव और विविध सामग्री को क्यूरेट करने में सक्षम बनेगी।

हिंदी विश्व को एकजुट करने वाली भाषा : कीर्ति वर्धन

नई दिल्ली, 09 जनवरी (हि.स.)। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें गर्व है कि हिंदी भारत में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवता को एक सूत्र में पिरोने वाली सेतु भाषा बन रही है।

राज्यमंत्री सिंह ने यह बात यहां के जवाहरलाल नेहरु भवन में विश्व हिंदी दिवस से पहले विदेश मंत्रालय के एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, मैं खुशी से अभिभूत हूं कि विदेशी राजनयिकों और राजदूतों द्वारा हिंदी में नववर्ष की शुभकामनाएं और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना पर दिए गए वक्तव्य अत्यंत प्रेरक रहे। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों द्वारा पुराने हिंदी बॉलीवुड गीतों की मधुर प्रस्तुति ने मुझे सचमुच मंत्रमुग्ध और आश्चर्यचकित कर दिया। मैंने हिंदी की वैश्विक आत्मा को जीवंत होते देखा। उन्होंने हिंदी की शैक्षणिक और प्रशासनिक पहुंच के आंकड़े साझा करते हुए इन उपलब्धियों को देश के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि आज 100 से अधिक देशों के 670 विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थाओं और विद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। देश के 37 पासपोर्ट कार्यालयों में से 22 में 70 प्रतिशत से अधिक कार्य हिंदी में हो रहा है। मंत्री ने दोहराया कि हिंदी को मिल रही यह वैश्विक पहचान सभी भारतीयों के लिए गर्व का क्षण है। यह भाषा न केवल देश की सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने का एक शक्तिशाली माध्यम भी बन रही है।

दिल्ली में आआपा के 4 विधायक शीतकालीन सत्र के बाकी समय के लिए निलंबित

नई दिल्ली, 09 जनवरी (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें एवं अंतिम दिन शुक्रवार को भी सदन में हंगामा जारी रहा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की मर्यादा का उल्लंघन करने के आरोप में आम आदमी पार्टी (आआपा) के चार सदस्यों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यवाही में निरंतर बाधा उत्पन्न करने और सदन की मर्यादा का उल्लंघन करने के कारण विपक्षी दल के सदस्य सोमदत्त, जरनैल सिंह, संजीव झा और कुलदीप कुमार को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाता है। यह निर्णय सदन की गरिमा, अनुशासन एवं अधिकारों की रक्षा करने के उद्देश्य से तथा विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप लिया गया है इस सत्र में यह दूसरी बार है जब आम आदमी पार्टी के ये चारों सदस्य निलंबित किए गए हैं। इसके पूर्व, सत्र के पहले दिन सोमवार (5 जनवरी) को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान हंगामा करने के कारण ये चारों सदस्य तीन दिन के लिए निलंबित किए गए थे।

फियरलेस, ईज ऑफ डूइंग और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस नए यूपी की पहचान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 09 जनवरी (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह के साथ शुक्रवार को अशोक लेलैंड कंपनी के इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने फैक्ट्री का निरीक्षण किया और सिंदूर-रुद्राक्ष के पौधे भी रोपे। सीएम योगी ने निवेश के लिए हिंदुजा परिवार को शुभकामनाएं दीं और यूपी सरकार पर विश्वास के लिए आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश पहचान का मोहताज और उपद्रव से ग्रसित था, लेकिन आज उत्सव का प्रदेश है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि इसने खुद को रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित किया है। दृढ़ निश्चय से लिए गए फैसले, साफ नीयत व स्पष्ट सोच के कारण फियरलेस बिजनेस, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस नए यूपी की पहचान बन चुके हैं। यहां पर कोई निवेशक पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार नहीं हो सकता। यूपी में अब 34 सेक्टरियल पॉलिसी हैं, जिनके माध्यम से निवेशक किसी भी सेक्टर में निवेश करके यूपी की विकास यात्रा में योगदान दे सकते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी के लिए यह निवेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2017 के पहले यूपी की अराजकता किसी से छिपी नहीं थी, निवेशक पलायन कर रहे थे परंतु 2017 में सरकार में आने पर हमने कहा कि यह अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है। अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए कुछ लोगों ने इसे बदनाम किया, लेकिन यूपी अब अनलिमिटेड पोटेंशियल यानी संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन गया है। पिछले आठ-साढ़े आठ साल में हुआ परिवर्तन इसका उदाहरण है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस इकाई की

मैन्युफैक्चरिंग क्षमता अभी 2500 यूनिट प्रति वर्ष है। इसे चरणबद्ध ढंग से 5000 यूनिट प्रतिवर्ष तक बढ़ाना है। यह परियोजना यूपी के औद्योगिक विकास व पर्यावरण संरक्षण के प्रति पीएम की प्रतिबद्धता और हम सभी के दृढ़ विश्वास का प्रतीक भी है। जब दुनिया ग्लोबल वॉर्मिंग व ग्लोबल कूलिंग से त्रस्त है। तमाम आपदाएं चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। उन स्थितियों में हम सब भी अपने आप को तैयार कर सकें, यह इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट इस दिशा में किए जाने वाला प्रयास का एक हिस्सा है। इसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए नौकरी व रोजगार की संभावनाएं भी विकसित हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूपी के सभी 75 जनपदों में निवेश हो रहा है। सीएम ने बेहतर कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए बताया कि देश के एक्सप्रेसवे का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी के पास है। देश में सर्वाधिक शहरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों व मेट्रो का संचालन यूपी में हो रहा है। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क यूपी के पास है। देश में बन रहे दो डेडिकेटेड फेट कॉरिडोर यूपी से होकर जा रहे हैं। इन पर यूपी का लॉजिस्टिक टर्मिनल व लॉजिस्टिक एंड ट्रांसपोर्ट हब को भी विकसित करने का कार्य हो रहा है। देश में पहली रैपिड रेल व वाटर वे का संचालन भी यूपी में हो चुका है।

सीएम ने कहा कि अशोका लेलैंड का ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट एफडीआई व फॉर्चून-500 पॉलिसी का हिस्सा है। 2017 के पहले यूपी में एफडीआई का अंश ऊंट के मुंह में जीरा जैसा था, लेकिन आज यूपी ने अपनी पॉलिसी के माध्यम से एफडीआई व फॉर्चून-500 को आकर्षित किया है। बताया कि सितंबर, 2023 में एमओयू हुआ। जनवरी, 2024 में एलओआई व भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई संपन्न हुई। मात्र 18 महीने में विश्वस्तरीय प्लांट निर्मित होकर आज देश को समर्पित हो रहा है तो यह डबल इंजन की फास्ट ट्रैक अप्रूवल प्रणाली और सुशासन का परिणाम है।

योगी आदित्यनाथ ने प्लांट में निर्मित बस का जिक्र करते हुए बताया कि यह 15 लाख की 17-18 सीटर बस है। इसके अलावा स्कूल बस, सिटी टू सिटी कनेक्ट की दृष्टि से जो अन्य मैन्युफैक्चरिंग यहां प्रारंभ हुई हैं, यूपी की इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी इसे नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी। यूपी सरकार इस प्लांट में प्रतिवर्ष यूपी के 10 हजार युवाओं को स्किल डेवलपमेंट के साथ जोड़ने का एमओयू हिंदुआ ग्रुप के साथ करने जा रही है।

समारोह में अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रक्षा तंत्र की मजबूती और स्थायित्व से देश में निवेश का भरोसेमंद वातावरण बना है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी के नेतृत्व में उद्योगों के लिए विकसित सकारात्मक माहौल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस और प्रभावी पहल की जा रही है। इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में देश लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

इस अवसर पर अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने अतिथियों का स्वागत किया तथा एमडी-सीईओ शेनू अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

खीरा की आधुनिक खेती

क्या आप अपनी खीरे की खेती को अगले स्तर पर ले जाने में रुचि रखते हैं? यदि हां, तो खेती की प्रक्रिया को वैज्ञानिक तरीके से अपनाना महत्वपूर्ण है।

चाहे आप संकर खीरे या देशी खीरे की खेती करना चाह रहे हों, यह लेख आपको आवश्यक सभी जानकारी प्रदान करेगा। खीरे की खेती की मूल बातें समझने से लेकर उन्नत कृषि तकनीकों की खोज तक, हम यह सब कवर करेंगे।

बरसाती खीरा की खेती
देसी खीरा की खेती
हाइब्रिड खीरा की खेती

इसलिए यदि आप खीरे की खेती में विशेषज्ञ बनना चाहते हैं और इसके आकर्षक अवसरों का लाभ उठाना चाहते हैं तो अंत तक पढ़ते रहें।

भारत में खीरा एक महत्वपूर्ण और फायदेमंद कृषि फसल है, जो पूरे देश में उगाया जाता है। हालाँकि पहले लोगों ने सोचा था कि खीरे की खेती केवल गर्मियों में ही संभव है, आज की तकनीक और जलवायु बदलते मौसम ने दिखाया है कि वर्षा, शीतकाल और बसंत-ग्रीष्म जैसे समय पर भी खीरे की खेती की जा सकती है।

खेत में खीरे को उगाने का सही समय चुनना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

खीरे की वैज्ञानिक खेती में इसे 60 से 80 दिनों में जीवनकाल पूरा होता है, इसलिए इसे छोटी फसल कहा जाता है। यह खासकर उन किसानों के लिए अच्छा है जो जल्दी उत्पादन करके अपना निवेश वापस करना चाहते हैं।

खीरा खाने में स्वादिष्ट होता है और बहुत पौष्टिक है।

इसमें प्रोटीन, विटामिन ष्ट, आयरन और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। खेत में इस समय पर्याप्त पानी होता है, इसलिए खीरे की फसल अधिक प्राप्त होती है, विशेष रूप से वर्षा ऋतु में। इसलिए, खीरे की खेती के लिए यह समय सबसे अच्छा रहता है और किसानों को अधिक मुनाफा मिलता है।

खीरे की खेती में सफलता पाने के लिए समयबद्ध रूप से खेती की तैयारी करनी चाहिए. इसमें सही बीज का चयन, उचित बीज बोने की प्रक्रिया, खेत में उर्वरकों का सही उपयोग और उचित जलवायु का ध्यान देना चाहिए। एक विशेषज्ञ किसान के रूप में, यही जानकारी किसानों को उनके खेतों में खीरे की सफल खेती करने में मदद करती है।

खीरे की आधुनिक खेती कैसी करें?

खीरे की आधुनिक खेती करने के लिए विज्ञानिक तरीके का प्रयोग करना महत्वपूर्ण है जिससे खीरे की उत्पादनता और गुणवत्ता में सुधार हो सके।

आजकल खीरे की खेती के लिए ग्रीनहाउस और पॉलीहाउस के सहायता से खेती का अधिकतम उत्पादन संभव हो रहा है। इससे खीरे की खेती को कम जगह पर भी उत्तर्तीत प्रदर्शन करने में सक्षम है और खीरा फसल को 2 से 4 दिनों तक भंडारण कर सकते हैं। पंजाब, झारखंड, उत्तर प्रदेश, और महाराष्ट्र में खीरे की खेती की बहुत अच्छी मांग है।

खीरे की आधुनिक खेती को शुरू करने के लिए निम्नलिखित जानकारी ध्यान में रखें

1. भूमि चयन- खीरे की खेती के लिए मिट्टी के चयन में ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। खीरी की उन्नत खेती के लिए लोम (लोम) और सैंडी लोम (बालूई लोम) भूमि अधिक उपयुक्त होती है। भूमि का उपयुक्त और सही उच्चता पर्वतीय क्षेत्रों में भी खीरे की खेती का उत्तर्तीत उत्पादन कर सकते हैं।

2. बीज चुनाव-आधुनिक खेती के लिए उच्च उत्पादकता और उत्तम गुणवत्ता वाले बीजों का चयन करें। वैज्ञानिक अध्ययन और खेती के विशेषज्ञों से परामर्श करके उच्च उपजाऊ वार्षिक या हाइब्रिड बीजों को चुनें।

3. जलवायु विवेचना- खीरे की खेती के लिए उच्च तापमान और नियमित बरसाती वर्षा आवश्यक होती है। खीरे की फसल बढ़ने के लिए 13-18 डिग्री सेल्सियस तापमान अनुकूल होता है और पौधों को विकसित होने के लिए 18-24 डिग्री सेल्सियस तापमान अधिक उपयुक्त होता है।

4. प्रकृतिक खाद- खीरे की उन्नत खेती में कार्बनिक खाद का प्रयोग करना फायदेमंद होता है। खेत की तैयारी के समय खेत में सड़े हुए गोबर को मिश्रण में डालने के साथ ही खेत में 40-50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 70 किलोग्राम पोटाश, और 60 किलोग्राम फॉस्फोरस जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को डालकर उपजाऊ खेती को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

5. समयबद्ध बीज बोना- बीज बोने का सही समय चयन खेती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेत में बीजों को एक सेंटीमीटर गहराई में बोना जाता है। पौधे फैलने के बीच में 50-100 सेंटीमीटर की दूरी रखना भी उत्तर्तीत उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण होता है।

6. प्रबंधन और देखभाल-- खीरे की खेती में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से प्रबंधन और देखभाल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेत में अशुद्धि, कीटाणु, और रोगों का नियंत्रण करने के लिए उचित कीटनाशकों का उपयोग करें। नियमित जल सिंचाई, कीटनाशकों के उपयोग का प्रबंधन, और अच्छे फसली देखभाल के माध्यम से उच्च उत्पादन को सुनिश्चित करें।

खीरे की आधुनिक खेती के इन विज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करके, आप अपने खेत में उत्तर्तीत खीरे की उच्च उत्पादनता का लाभ उठा सकते हैं और इससे अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। विशेषज्ञों द्वारा सलाह लेना और नवीनतम खेती तकनीकों का अनुसरण करना खीरे की आधुनिक खेती को सफल बनाने में मदद कर सकता है।